ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष -11, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 362 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल 17 जून 2024 सोमवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
39 अधिकतम
28 न्यूनतम

मुसाफिरों को बचाने गैस कटर से काटे जा रहे कोच, अब तक पांच मौत की पुष्टि

बड़ा रेल हादसा
कंचनजंगा एक्सप्रेस पर चढ़ गई मालगाड़ी

दार्जिलिंग/नई दिल्ली,एजेंसी। आज सुबह पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में बड़ा ट्रेन हादसा हो गया। इसमें स्टेशन पर खड़ी कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। ट्रेन अगरतला से सियालदाह जा रही थी। अब तक इस हादसे में पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। जबकि 20-25 लोग घायल बताए जा रहे हैं. यह हादसा सुबह करीब 9 बजे हुआ है। घटना की जो तस्वीरें सामने आई हैं उसमें साफ दिख रहा है कि टक्कर के बाद मालगाड़ी का कोच दूसरे कोच के ऊपर चढ़ गया। दो बोगियां एक दूसरे के ऊपर चढ़ गईं जबकि तीन बोगियां डिरेल हो गईं। जो कोच आपस में बुरी तरह टकराकर बुरी तरह फंस गए हैं उन्हें गैस कटर की मदद से काटा जा रहा है। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और मौके पर बारिश के बीच बचाव और राहत का अभियान जारी है। यह टक्कर कंचनजंगा एक्सप्रेस के न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन से सियालदह के लिए रवाना होने के तुरंत बाद हो गई. कंचनजंघा एक्सप्रेस अगरतला से कोलकाता के सियालदह जा रही थी. सियालदाह स्टेशन पर आपातकालीन सहायता डेस्क खोली गई है पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने इस घटना पर कहा कि उन्हें न्यू जलपाईगुड़ी के रंगापानी में हुई दुर्घटना हुई है। इसमें एक मालगाड़ी सियालदह जाने वाली डीएन कंचनजंगा एक्सप्रेस से पीछे से टकरा गई। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हादसे पर ट्वीट करते हुए लिखा, 'एनएफआर जोन में दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना हुई है। बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है. रेलवे, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ मिलकर काम कर रहे हैं। तमाम वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।' आपातकालीन चिकित्सा दल को मौके पर भेजा गया है।

पुराने जख्म फिर हुए ताजा

इस हादसे के बाद एक बार फिर पुराने जख्म हरे हो गए हैं। पिछले साल ओडिशा के बालासोर जिले में दो जून को एक भीषण ट्रेन हादसा हुआ था, जिसकी यादें ताजा हो गई हैं। बीते साल 2 जून 2023 को बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी के बीच ट्रेन दुर्घटना हुई थी। इस हादसे में कम से कम 233 लोग मारे गए थे। वहीं 900 से अधिक लोग घायल हुए थे। आजादी के बाद से अबतक की सबसे घातक दुर्घटनाओं में से एक यह हादसा बताया जाता है।

बांदीपोरा में मुठभेड़, एक दहशतगर्द हुआ ढ़ेर

जम्मू। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले में आधी रात से आतंकियों से मुठभेड़ जारी है। दो से तीन आतंकियों के घिरे होने का अंदेशा है। सूत्रों के अनुसार, इनमें से एक आंतकी मुठभेड़ के दौरान ढेर हो गया है। अभी आधिकारिक पुष्टि बाकी है। पुलिस के अनुसार जिले के अरगाम में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर तीन पैरा, 13 राष्ट्रीय राइफल्स तथा बांदीपोरा पुलिस के जवानों ने गांव की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान घेरा सख्त होता देख छिपे आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई से मुठभेड़ शुरू हो गई। सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। पूरे इलाके की घेराबंदी कर रखी गई है।

सीआईडी के समक्ष येदियुरप्पा की पेशी

बेंगलुरू। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा आज सीआईडी के समक्ष पेश हो रहे हैं। उन पर एक नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा है। नाबालिग की मां ने पॉक्सो एक्ट के तहत उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले पर येदियुरप्पा ने पहले ही कहा था कि वह 17 जून यानी की सोमवार को सीआईडी के सामने पेश होंगे। 11 जून को बंगलूरु की एक अदालत ने पॉस्को केस में पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था।

सतना में बेसुध हालत में निर्वस्त्र मिली नाबालिग

सतना। 16 साल की एक नाबालिग लड़की बेहोशी की हालत में निर्वस्त्र मिली है। उसके शरीर पर चोट के निशान थे। लड़की को फिलहाल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मेडिकल रिपोर्ट और लड़की के बयान के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि उसके साथ क्या हुआ है। लड़की के चचेरे भाई ने उसे निर्वस्त्र हालत में बेसुध बगीचे में पड़ा देखा था। नाबालिग को जिला अस्पताल के मेटरनिटी विंग में ले जा कर उसकी जांच कराई गई है। उसे होश भी आ गया है। घटना के समय लड़की के माता-पिता किसी काम से दूसरे गांव गए थे। घर पर बेटी अकेली थी। दोपहर लगभग डेढ़ बजे चचेरा भाई बगीचे की तरफ गया तो वहां आम के पेड़ के नीचे नाबालिग बेहोशी की हालत में पड़ी मिली। उसके शरीर पर कपड़े नहीं थे। जगह-जगह चोट लगी थी। है। उसके बयान लेने के लिए महिला पुलिस अधिकारी को बुलाया गया है। घटना की सूचना मिलने पर जैतवारा थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

सत्र के पहले शपथ का सस्पेंस, अगला महीना मैदानी व भीतरी मुकाबले का
तीन उपचुनाव के पहले बदलेगी मध्यप्रदेश की सियासी तस्वीर!

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र में विधानसभा के बजट सत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार आमना-सामना होना तय माना जा रहा है। लेकिन इसके पहले राज्य की सियासी तस्वीर में कुछ नये बदलाव की भी संभावना बनने लगी है। दरअसल कांग्रेस के तीन विधायकों ने चुनाव के दौरान पाला बदला है। लेकिन तकनीकी रूप से दो अभी विधायक बने हुए हैं। सूत्रों की मानें तो इनमें से एक रामनिवास रावत को लेकर भाजपा के भीतर कुछ खास मंथन चल रहा है। रावत ने पाला बदलकर मुरैना संसदीय सीट पर कांग्रेस के लिये मुश्किल पैदा कर दी थीं। भाजपा की इस सीट पर जीत के बाद रावत को 'पुरस्कार' मिलने की चर्चा तेज होने लगी है तथा उन्हें बजट सत्र के पहले मंत्री पद की 'शपथ' दिलाए जाने की अटकलों के जोर पकड लिया है। जानकार मानते हैं कि यदि ऐसा हुआ तो फिर कुछ अन्य मौजूदा मंत्री भी प्रभावित होंगे। इनमें से कुछ लोकसभा चुनाव के क्षेत्रवार प्रदर्शन की कसौटी पर कसे जायेंगे। दरअसल रावत जिस विजयपुर क्षेत्र से चुनाव जीते है वह उनका मजबूत गढ नहीं माना जाता। दूसरी तरफ कांग्रेस ने रावत व बीना विधायक निर्मला सप्रे को दलबदल कानून के घेरे मे लेने के लिये स्पीकर के समक्ष पिटीशन की तैयारी चला रखी है। इन कवायदों के बीच रावत का रुख दिलचस्प बना हुआ है। उनको लेकर भाजपा और कांग्रेस के अंदरखाने कई बातें तैर रही हैं।

इस्तीफा देने से पहले सौगातें देने की कोशिशें

उल्लेखनीय है कि भाजपा व कांग्रेस के बीच मुकाबला विस सत्र के दौरान ही मैदानी स्तर पर भी होने वाला है। दस जुलाई को छिंदवाडा के अमरवाडा में उपचुनाव के बहाने भाजपा और कांग्रेस फिर अपना दमखम आजमाएंगे। यह सीट कांग्रेस विधायक कमलेश शाह के भाजपा मेंशामिल होने पर खाली हुई है। इस सीट पर फिर कमलनाथ की प्रतिष्ठा जुड गई है। लेकिन मप्र में बाकी तीन सीटों पर चुनाव को लेकर फिलहाल तो सस्पेंस है और माना जाने लगा है कि यदि देरी हुई तो इनके चुनाव बारिश बाद हो सकते हैं। इन सीटों में बीना,बुधनी और विजयपुर शामिल हैं। बुधनी में शिवराज सिंह चौहान के लोकसभा सदस्य बन जाने के बाद स्थान रिक्त होगा। हालांकि अभी उन्होंने विस सीट नहीं छोड़ी है। जबकि बीना में कांग्रेस विधाकय निर्मला सप्रे और विजयपुर के कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत भी भाजपा में जाने के बाद विधायक पद पर है। इस बीच सप्रे का बयान आया है कि वे विधायक निधि से कुछ कामों की सौगात देना चाहती हैं। उनका कहना है कि इस्तीफा तो देना ही है।

विधानसभा सत्र 1 से 19 जुलाई तक एक जुलाई से मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होगा। 19 जुलाई तक चलने वाले इस सत्र में कुल 14 बैठकें होंगी। मोहन सरकार इसमें अपना पहला पूर्ण बजट प्रस्तुत करेगी। यह साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक का हो सकता है। लोकसभा चुनाव के बाद होने वाले इस सत्र में परिणाम के असर की झलक भी दिखाई देगी। कांग्रेस जहां महिला, अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के ऊपर हुए अत्याचार की घटना और आर्थिक स्थिति को मुद्दा बनाएगी तो सरकार अपनी उपलब्धियां गिनाएगी। सरकार ने लोकसभा चुनाव को देखते हुए एक लाख 45 हजार करोड़ रुपये अधिक का लेखानुदान फरवरी 2024 में प्रस्तुत किया था। इसमें विभागों के लिए 31 जुलाई तक आवश्यक व्यय के लिए बजट आवंटित किया है। 31 जुलाई के पहले बजट विधानसभा से पारित कराकर राज्यपाल मंगुभाई पटेल के अनुमोदन से उसे अधिसूचित करना है।

मेट्रो एंकर उत्तराखंड में प्लास्टिक कचरा बना समस्या तो निकाला नया हल

पहाड़ों पर प्लास्टिक कचरा, कमाए एक करोड़!

जोशीमठ, एजेंसी। इन दिनों उत्तराखंड में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ चारधाम यात्रा के लिये उमड़ रही है। जाहिर है कि इस स्थिति में पुलिस प्रशासन और मंदिर प्रबंधन को हर बार कई नई समस्या व चुनौतियों से जूझना पडता है। मगर सबसे ज्यादा समस्या प्लास्टिक का कचरा है। ज्यादा लोगों के आने की वजह से प्लास्टिक कचरा इस पहाड़ी राज्य के लिए आफत बन गया है,और दीर्घकालीन दुष्प्रभाव की वजह बनने का खतरा भी है। लिहाजा इसे नगर निकाय ने आय का भी जरिया बना लिया है। इस कचरे से जोशीमठ नगर पालिका अब मोटी कमाई भी कर रहा है। चमोली-जोशीमठ नगर पालिका ने 3 टन से अधिक प्लास्टिक कचरे से 1 करोड़ रुपये कमाए हैं। धार्मिक स्थलों पर बढ़ते कचरे से निपटने के लिए सीएम धामी ने पहाड़ों में कचरा सफाई अभियान चलाने का भी आदेश दिया है।

खबरों के मुताबिक नगर पालिका प्रशासन ने चारधाम यात्रा मार्ग से इन दिनों 3 टन से अधिक प्लास्टिक कचरे को एकत्रित किया। अब कचरे को रिसाइकल कर 1.02 करोड़ रुपए की आय अर्जित की है। बद्रीनाथ, हेमकुंड साहिब और फूलों की घाटी यात्रा के मुख्य पड़ाव, जोशीमठ से पांडुकेश्वर तक सफाई का जिम्मा जोशीमठ नगर पालिका की है। नगर पालिका ने बीते एक महीने में पानी, कोल्ड ड्रिंक और शीतल पेय की ढाई लाख से अधिक बोतलें एकत्रित की। अन्य प्लास्टिक कचरे को मिलाकर तीन टन प्लास्टिक कचरा एकत्रित किया है। कचरे को एकत्रित कर कॉम्पेक्टर मशीन से ब्लॉक बनाकर उसको रिसाइकल किया जा रहा है।

पर्यावरण मित्रों की तैनाती

बताया जाता है कि जोशीमठ से पांडुकेश्वर तक सफाई व्यवस्था के लिए नगरपालिका जोशीमठ द्वारा पर्यावरण मित्र तैनात किए गए हैं। वहीं, प्लास्टिक कचरे के निस्तारण के लिए 22 मजदूर तैनात हैं। चारधाम यात्रा से पंजीकरण की बाध्यता समाप्त होते ही इन दिनों बद्रीनाथ और केदारनाथ हाइवे पर वाहनों का अत्यधिक दवाब बढ़ गया है और जगह-जगह जाम की स्थिति भी पैदा हो रही है. रुद्रप्रयाग में मुख्य बाजार में जाम लगने के कारण यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

भड़का विपक्ष, विरोध प्रदर्शन स्थल खत्म करने का आरोप
अब संसद भवन परिसर में सरकाई जा रही महापुरुषों की प्रतिमाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। अब संसद में स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियां शिफ्ट करने के मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच 'संग्राम' शुरू हो गया है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने जानबूझकर मूर्तियों को किनारे पर शिफ्ट कर दिया है ताकि विपक्षी सांसद समय-समय पर मूर्तियों के सामने एकजुट होकर विरोध-प्रदर्शन ना कर सकें। हालांकि, इस आरोप पर जवाब है कि मूर्तियों को हटाया नहीं गया, बल्कि शिफ्ट किया गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि एक ही जगह पर सभी मूर्तियां होने से लोगों को महान शख्सियतों के बारे में जानने में आसानी होगी।

दरअसल, पहले महात्मा गांधी और डॉ. अंबेडकर की मूर्तियां संसद परिसर में प्रमुख स्थानों पर थीं। यहां विपक्षी नेता सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए इकट्ठा होते थे। कांग्रेस नेता जयराम रमेश का आरोप है कि मूर्तियां शिफ्ट करने का मुख्य कारणयह सुनिश्चित करना है कि महात्मा गांधी और डॉ. अंबेडकर की मूर्तियां संसद भवन के ठीक सामने किसी प्रमुख स्थान पर न हों, ताकि सांसद जरूरत पड़ने पर शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन ना कर सकें। स्पीकर ओम बिरला के मुताबिक,सभी मूर्तियों को प्रेरणा स्थल में शिफ्ट किया गया है, जो पुराने संसद भवन और संसद पुस्तकालय भवन के बीच लॉन में स्थित है. यह पूरे साल विजिटर्स के लिए खुला रहेगा।

भोपाल में ईद की नमाज

भोपाल। इस्लामी महीने जिल हिज्ज की तारीख को आज ईद उल अजहा मनाई जा रही है। भोपाल में ईदगाह शहर की सभी मस्जिदों में सोमवार सुबह ईद की नमाज अदा की गई। ईद की पहली नमाज ईदगाह पर शहर काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी ने अदा करवाई। इसके बाद जामा मस्जिद, ताजुल मस्जिद, मोती मस्जिद और अन्य मस्जिदों में नमाज अदा हुई। आल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी अध्यक्ष डा. औसाफ शाहमीरी खुर्रम ने बताया कि अकीदत का यह त्योहार 3 दिन तक चलता रहेग

शिक्षकों को मिले पॉक्सो की ट्रेनिंग, मदरसों की हो मेपिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने मंत्रालय में बाल अधिकारों के लिये बनाये गये कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के मद्देनजर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा की। कानूनगो ने स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शिक्षकों को पॉक्सो की ट्रेनिंग, मदरसों की मेपिंग कराने तथा ऐसे बच्चों, जो लगातार 30 दिनों तक स्कूल में उपस्थित नहीं हुए, तो संबंधित प्राचार्य अनिवार्य रूप से श्रम विभाग के नोडल अधिकारी को जानकारी उपलब्ध कराएं। कानूनगो ने कहा कि ऐसे बच्चों, जिनकी आयु 6 वर्ष से कम हो, को पोषण एवं शिक्षा के लिये नजदीकी आँगनवाड़ियों में प्रवेश कराया जाए। स्वास्थ्य जाँच, परामर्श, चिकित्सा उपचार के लिये आयुष्मान योजना से जोड़ने की कार्यवाही स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जाये। साथ ही परिवार के सदस्यों को रोजगार एवं लघु उद्योग से जोड़ने में सहायता प्रदान की जाए।

बीएसएफ बैंड एकेडमी ने सिखाए नए हुनर

बेंगलुरु से 6 माह का खास प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटा पुलिस बैंड

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कुछ महीने पहले जब पुलिस मुख्यालय में अपनी पहली बैठक में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के सभी जिलों में पुलिस बैंड स्थापित किए जाने के निर्देश जारी किए थे तो पुलिस ने इस दिशा में सक्रियता दिखाकर विशेष प्रशिक्षण की रूपरेखा बना ली थी। ताकि प्रदेश की इस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया जा सके। सीएम के निर्देशों के बाद एक दल को विशेष प्रशिक्षण के लिये बेंगलुरू भेजा गया था। यह दल हाल में लौटा है। अब पुलिस मुख्यालय द्वारा प्रत्येक जिले में बैंड दल के गठन हेतु लगातार प्रयास भी चल रहे हैं। 15 अगस्त के पर्व पर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर पुलिस बैंड के परेड में सम्मिलित होने का लक्ष्य है। बताया जाता है कि सीएम के निर्देश के बाद पुलिस बैंड के ऐसे कर्मचारियों को चिह्नित किया गया, जिन्हें एडवांस बैंड ट्रेनर का प्रशिक्षण दिया जाए। इस संबंध में देश के विभिन्न बैंड ट्रेनिंग संस्थानों का सर्वे किया गया, जिसमें बीएसएफ, बेंगलुरु जो कि देश का सर्वश्रेष्ठ बैंड ट्रेनिंग स्कूल है, उसको चुना गया। प्रदेश के 19 कर्मचारियों को लगभग 6 माह के एडवांस कोर्स हेतु बीएसएफ, बेंगलुरु भेजा गया। बीएसएफ, बेंगलुरु में प्रशिक्षणार्थी द्वारा वाद्ययंत्र वादन, वाद्ययंत्र के साथ ड्रिल, थ्योरी क्लास आदि का प्रशिक्षण पूर्ण किया गया। इस एडवांस कोर्स में प्रशिक्षणार्थियों को म्यूजिक नोटेशन पड़ना एवं म्यूजिक नोटेशन लिखना तथा वाद्ययंत्र वादन करने के बारे में संपूर्ण एवं विस्तृत जानकारी दी गई।

डीजीपी ने की मुलाकात

पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना ने एसटीसी, बेंगलुरु से एडवांस उत्तीर्ण कर के आए सभी मास्टर ट्रेनर्स से मुलाकात की गई एवं सभी मास्टर ट्रेनर को फार्मेशन साइन लगाए गए। फार्मेशन साइन लगाने के जिए वही अधिकारी/कर्मचारी पात्र होते हैं, जिन्होंने एडवांस बैंड कोर्स उत्तीर्ण किया हो। यह एडवांस बैंड कोर्स भारत में मात्र बीएसएफ, बेंगलुरु में ही कराया जाता है।

उल्लेखनीय है कि 6 माह के इस कोर्स में मध्यप्रदेश के कर्मचारियों के अलावा बीएसएफ के बैंड ट्रेनर्स भी प्रशिक्षण पा रहे थे। कोर्स के अंत में मध्यप्रदेश पुलिस के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त कर इतिहास रचा गया।

जम्मू में आतंकवादियों के हमले के विरोध में अभाविप ने किया प्रदर्शन

भोपाल। जम्मू में पाकिस्तान आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाबलों एवं आम नागरिकों पर जानलेवा हमले के विरोध में अभाविप भोपाल महानगर के कार्यकर्ताओं ने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में प्रदर्शन किया। अभाविप के राष्ट्रीय मंत्री शालिनी वर्मा ने कहा, अभाविप केंद्र सरकार से मांग करती है कि जम्मू-कश्मीर में सीमा सुरक्षा तंत्र के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा तंत्र को और कड़ा किया जाना चाहिए, साथ ही क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में भारतीय सेना की उपस्थिति बढ़ाने की जरूरत है। ऑपरेशन सद्भावना जैसे सॉफ्ट ऑपरेशन को और अधिक तेजी से शुरू करने की जरूरत है। ताकि आतंकवादी केंद्र-शासित राज्य जम्मू-कश्मीर के आम भोले-भाले नागरिकों के बीच अपना पाकिस्तान पोषित नफरतपूर्ण आतंकवाद संबंधी दुष्प्रचार न कर सकें। जम्मू कश्मीर में ऐसी घटनाओं के कारण विद्यार्थियों को भी बहुत मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। राज्य के सभी विश्विद्यालयों में भी प्रवेश का कार्य

चल रहा है और नेट परीक्षा की तिथि भी दूर नहीं है। ऐसी स्थिति में विद्यार्थी घर से निकलने में डर रहे हैं। अभाविप केन्द्र सरकार से मांग करती है कि त्वरित निर्णय लेते हुए क्षेत्र में शांति बहाली हेतु कड़े कदम उठाते हुए आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

मॉर्निंग वॉक एंड सिंगिंग ग्रुप का आयोजन

36 कलाकारों से सजी संगीत की एक शाम

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

मॉर्निंग वॉक एंड सिंगिंग ग्रुप ने संगीतमय संध्या का आयोजन किया, जिसमें 36 कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सिंधी मंच के जिलाध्यक्ष हीरो हिन्दू एवं विशेष अतिथि संस्कार स्कूल के संचालक बसंत चेलानी थे। अतिथियों का स्वागत ग्रुप के संचालक रामचंद सभनानी, उप संचालक एवं कार्यक्रम आयोजक विवेक नागरूरकर, उप संचालक सुरेश तनवानी एवं उप संचालक चुनीलाल जेठानी ने किया।

हीरो हिन्दू ने उभरते हुए कलाकारों को मंच प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया। चेलानी ने कहा कि संगीत एक ऐसी कला है जिससे मनुष्य के जीवन में सुकून महसूस होता है संगीत एक थेरैपी है। आयोजको द्वारा कलाकारों को बेस्ट सिंगिंग प्रमाण पत्र दिए गए। ग्रुप के संचालक रामचंद सभनानी द्वारा वरिष्ठ गायक नरेश गिडवानी का भी फूल माला पहनाकर सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन रोशनी तनवानी, मधु मोहनानी एवं रश्मि दुबे द्वारा किया गया ।

इन्होंने गुनगुनाए गीत

कार्यक्रम में विवेक नागरूरकर, सुरेश तनवानी, सी के जेठानी, रामचंद सभनानी, के एल मोटवानी, हरनाम पेसवानी, जेठानंद तेजवानी, नरेश पेसवानी, लक्ष्मण रामराखयानी, भगवानदास लीलानी, चाहत कौर, रश्मि दुबे, अर्पिता सक्सेना, सचिन चौहान, विवेक दुबे, राजेश सरीन नानक ददलानी, सुरेश मीरचंदानी, रमेश चांदनी, खूबचंद मोहनानी, तुलसीदास परचानी, देविका राजन, प्रभा, रूप बसंत, राम भरोसे निमोरे, वरिष्ठ अधिवक्ता साबिर सिद्दकी, दिनेश मालवीय, मुकेश पालीवाल, भागचंद पेसवानी, माया धमानिया एवं अन्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी।

'डाहिर सेन की कुर्बानी देश भक्ति की सदैव प्रेरणा देती रहेगी'

कुर्बानी दिवस पर याद किया सिंधुपति को सिंधी समाज ने

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा सिंधुपति सम्राट डाहिरसेन की 132वीं कुर्बानी दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम महाराजा डाहिर सेन के छायाचित्र पर कार्यवाहक अध्यक्ष भरत आसवानी व उपस्थित पदाधिकारियों व सदस्यों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर पंचायत महासचिव माधू चांदवानी ने सम्राट डाहिर सेन के जीवन पर विचार रखते हुए बताया कि सम्राट डाहिर सेन का जन्म सिंध पाकिस्तान में सन् 663 में हुआ था सम्राट डाहिर सेन महान योद्धा थे। उनकी वाहवाही अरब देशो तक फैली हुई थी। तब अरब देश के खलिफा मोहम्मद बिन कासिम ने सिंध देश में आक्रमण किया लेकिन सम्राट डाहिर सेन को हरा नहीं सका। उन्होने छल, कपट से आक्रमण कर युद्ध में हरा दिया।

चांदवानी ने बताया कि महाराजा डाहिर सेन की कुर्बानी देश भक्ति की सदैव प्रेरणा देती रहेगी तथा प्रजा के लिए किए कल्याणकारी एवं नेक कार्यो को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर सिंधी काउंसिल ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष गुलाब जेठानी व झूलेलाल मंदिर ट्रस्ट के राज मनवानी ने भी सम्राट डाहिर सेन के जीवन पर विचार रखे। इस अवसर पर उपाध्यक्ष नंद कुमार दादलानी सचिव मोहन मीरचंदानी सहसचिव जेठानंद मंगतानी आडिटर हरीश मेहरंचदानी सहकोषाध्यक्ष माधव पारदासानी राकेश शेवानी, प्रेम पठानी दयाल दोलतानी, नारायण तनवानी, वासदेव टिलवानी, बूलचंद वासवानीए मुरली गुरबानी, जानकीलाल भारानी, सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। अंत में दो मिनट का मोन धारण कर सम्राट डाहिर सेन को श्रद्धांजलि दी गयी।

मेट्रो एंकर

संस्कार स्कूल के व्याख्यान कला मोहन

शिक्षक सीखने की प्रक्रिया में ठहराव से बचें

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक हा. से. स्कूल में रविवार को''प्रभावशाली एवं रोचक शिक्षण'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कला मोहन, वरिष्ठ शैक्षणिक सलाहकार मनोवैज्ञानिक अन्तर्राष्ट्रीय विशेष शिक्षक ने अपनी बात रखी। कार्यक्रम की शुरूआत वक्ता कला मोहन, संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, उपाध्यक्ष सुरेश राजपाल, सदस्य गुलाब सेजवानी द्वारा माँ सरस्वती एवं संत शिरोमणी हिरदाराम साहिब जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन व मार्ल्यापण की।

सचिव बसंत चेलानी ने संस्कार परिवार की ओर से आए हुई वक्ता का स्वागत किया। उन्होंने ने कहा विद्यार्थियों के मनोबल को ब?ाने के लिए छोटी-छोटी गतिविधियों के साथ अध्ययन कराना चाहिए विद्यार्थियों को अपनी बात कहने का पूरा-पूरा अवसर देना चाहिए। कला मोहन ने शिक्षकों से कहा कि किताबों से ज्यादा हमें बाहरी दुनिया से सीख मिलती है इसलिए हमें जीवन में हमेशा सीखना चाहिए, क्योंकि अगर शिक्षक ने सीखना छोड़ दिया तो मान लीजिए कि उसके जीवन में ठहराव आ जाएगा। नई शिक्षा नीति के बारे में बताते हुए कहा कि उसके लिए सेनसोरियन एक्टिविटी बहुत आवश्यक है। उन्होंने मोन्टेसरी बच्चों के बारे में बताते हुए कहा कि मोन्टेसरी के बच्चों को लेखन कार्य के साथ-साथ मौखिक ज्ञान की ज्यादा आवश्यकता होती है। शिक्षक का पहला गुण है कि वह स्वयं भी खुश व ऊर्जावान रहें एवं अपने बच्चों को खुश व ऊर्जावान रहना सिखाएं इससे बच्चों में एकाग्रता एवं सीखने की क्षमता बढ़ेगी। इस अवसर पर प्रकाश आसुदानी, विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, उपप्रचार्या मीनल नरयानी, प्राधानाचार्या मृदुला गौतम, एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

पार्किंग, सीवेज, मंडी व्यवस्थित करने की मांग

बजट के लिए दिए महापौर को 12 सुझाव

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिदाराम नगर जोन के वार्ड पांच के पार्षद ने नगर निगम बजट के लिए मांगे गए सुझाव महापौर मालती राय को सौंप दिए हैं। संत हिरदाराम नगर जोन के वार्ड पांच के पार्षद और ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष अशोक मारन ने महापौर मालती राय को नगर निगम बजट में शामिल करने के लिए सुझाव का पत्र सौंपा है। 12 सुझाव रखे हैं, मारन ने कहा जोन के लिए इन सुझावों को बजट में शामिल करना जरूरी है।

मारन द्वारा दिए गए सुझावों की बात करे तो उन्होंने संतनगर व्यापारिक केन्द्र एवं स्टेशन सिविल अस्पताल होने के बाद भी रेन बसेरा नहीं है। कृपया बजट में सम्मिलित करे। संतनगर में मीट मार्केट एवं सब्जी मण्डी व्यवस्थित न होने के कारण अव्यवस्था फैलती है। बजट में राशि जिसमें व्यवस्थिति कर सके। संतनगर में मध्यप्रदेश के अभी जिलो से व्यापार करने व्यापारी आते है। टू व्हीलर पहिया एवं चार पहिया पार्किंग के लिए बजट में राशि सम्मिलित करे। संतनगर की 35 साल पुरानी सीवेज लाइन एवं पाइप लाइन बदलवाने के लिए अमृत 2 के माध्यम से लाइने बदली जाए। संतनगर की यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए बजट में राशि सम्मिलित करे। लेफट टर्न के लिए राशि बजट में सम्मिलित करे। संतनगर में ठेलो की समस्या खत्म करने एवं हार्कर कार्नस के लिए बजट सम्मिलित करे। संतनगर में कालोनियों में रिक्त स्थानो पर पार्क बनाने बजट राशि सम्मिलित करे।

यह सुझाव भी दिए

- हर वार्ड में आपात कालीन कार्यो के लिए लिए बजट में राशि सम्मिलित हो जिससे तत्काल कार्य कराया जा सके।
- बचाव में नालो की सफाई के लिए नाला के लिये अलग से बजट व्यवस्था हो।
- प्रत्येक जोन में सभी प्रकार की मशीनरी जे.सी.बी., हाई गाडी, सीवेज गाडी अन्य तरह वाहनो के लिए बजट में जोन राशि सम्मिलित करे।
- भोपाल में तालाब को अनरवृति करने एवं नालों पानी सीधा तालाब में न मिले संतनगर में कुछ नालों का पानी आज भी सीधे तालाब में जाता है।
- चर्मकार, फूलवाले एवं फुटपाथ पर व्यवसाय करने वालों के लिए शहर में स्थान चिन्हित किए जाएं।

मंत्रियों का अभिनंदन टला, भाजपा कार्यकर्ताओं का रहा बड़ा जमावड़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र भाजपा द्वारा बीती शाम मोदी कैबिनेट में शामिल मप्र के मंत्रियों का सम्मान समारोह एन वक्त पर टल गया और प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, दुर्गादास उईके, सावित्री ठाकुर एवं लोकसभा चुनाव के प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ पं. दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इन मंत्रियों का अभिनंदन कार्यक्रम दरअसल भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण जटिया की धर्मपत्नी के देवलोकगमन के कारण स्थगित किया गया था। शर्मा ने पुष्पांजलि के पश्चात कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कार्यक्रम निरस्त करने की वजह बताई और कहा कि पूरे प्रदेश से कार्यकर्ता केंद्रीय मंत्रियों का अभिनंदन करने भाजपा के प्रदेश कार्यालय पहुंचे । पुष्पांजलि पश्चात केंद्रीय मंत्री शिवराजसिंह ने मीडिया से कहा कि कि विजनरी नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश से पांच केंद्रीय मंत्री बनाए हैं। उन्होंने जो विश्वास व्यक्त किया है, उसके हम सब आभारी हैं। प्रधानमंत्री की कसौटी पर खरे उतरें, इस संकल्प के लिए दिन-रात काम करेंगे और मेहनत की पराकाष्ठा करेंगे। खेती अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा हैं। प्रधानमंत्री 18 जून को वाराणसी से देश के करीब साढ़े नौ करोड़ किसानों को सम्मान निधि जारी करेंगे।

कांग्रेस नहीं कर सकती बराबरी– सिंधिया

एनडीए की सरकार के पांच साल नहीं चल सकने के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि बीते 3 चुनावों में जो सीटें मिली, उन्हें जोड़ लिया जाए तब भी कांग्रेस पार्टी जीत के मामले में भाजपा को इस बार मिली कुल सीटों की बराबरी नहीं कर सकती। तब भी उनके नेता ऐसे बयान दे रहे हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। हाल ही ही में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिल्लकार्जुन खरगे एनडीए की सरकार पर निशाना साधा था।

पहले समझूंगा, फिर बोलूंगा– सिंधिया ने कहा कि मैं दूसरों की तरह नहीं कि कुछ भी बोल दूं। विभाग के कामों को बेहतर ढ़ंग से करेंगे, लेकिन अभी जल्दबाजी में कुछ नहीं कहेंगे। अगले एक सप्ताह तक काम करेंगे, उसके बाद निष्कर्ष पर पहुंचेंगे और बेहतर परिणाम को लेकर काम करेंगे।

रायसेन के सेहतगंज में बाल श्रमिकों से शराब की पैकिंग कराने का मामला

बच्चों से शराब पैकिंग कराने के मामले में पांचवें पर गिरी गाज, फैक्ट्री को नोटिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बच्चों से शराब की पैकिंग कराने के मामले में रायसेन के एक और आबकारी निरीक्षक को निलंबित कर दिया। इस मामले में अब तक 5 पर निलंबन की गाज गिर चुकी है। सोम डिस्लरी को नोटिस थमाकर 3 दिन में जवाब मांगा है तो वहीं राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने रायसेन कलेक्टर, एडीएम व एसडीएम की कमियां गिनाई है और सुप्रीम कोर्ट जाने की बात दोहराई है। मामला बाल श्रमिकों से शराब की पैकिंग कराने का है, जो कि शनिवार को राष्ट्रीय बाल आयोग के अध्यक्ष द्वारा फैक्ट्री पर की गई रेड में सामने आया था।

सरकार ने 3 दिन के भीतर मांगा जवाब, आयोग के अध्यक्ष ने कलेक्टर, एडीएम, एसडीएम की कमियां गिनाई

आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मेसर्स सोम डिस्टलरीज प्राइवेट लिमिटेड, सेहतगंज को नोटिस जारी किया है, जिसमें टेंडर व लाइसेंस शर्तों और शासन के अधिनियमों के उल्लघंन के बारे में जवाब मांगा है। अधिकारियों के अनुसार मेसर्स सोम डिस्टलरीज को 3 दिन में जवाब देने को कहा है। समयावधि में समाधानकारक जवाब नहीं देने पर कार्रवाई की जाएगी। मामले को श्रम विभाग ने भी संज्ञान में लिया है।

एडीएम, एसडीएम देरी से पहुंचे

आयोग के अध्यक्ष की सूचना के बावजूद एडीएम 8 घंटे और एसडीएम 7 घंटे की देरी से फैक्ट्री पहुंचे। जबकि ये अधिकारी फैक्ट्री से महज 20 किलोमीटर दूर थे। अध्यक्ष ने ये आरोप लगाए। आयोग की टीम शनिवार को फैक्ट्री के गेट के अंदर से दोपहर 1.30 बजे पहुंच गई थी। वहीं से रायसेन कलेक्टर व अन्य अधिकारियों को फोन कर सूचना देकर बुलाया था। आयोग के अध्यक्ष का दावा है कि उन्होंने पंचनामा बनाकर सूची के साथ उन बच्चों को जिला प्रशासन के सुपुर्द किया था, जिन्हें फैक्ट्री से रेस्क्यू किया था। ये सभी बच्चे शाम तक गायब कर दिए गए। पूछने पर बच्चों के बारे में जानकारी नहीं दी, उनसे मिलने नहीं दिया। बच्चों को गायब करने वालों पर कार्रवाई नहीं की गई। फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ नामजद किशोर न्याय अधिनियम के तहत अपराध भी दर्ज नहीं किया।

राज्य फीस कमेटी का गठन, सीपीआई, आरएसके संचालक शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राज्य फीस कमेटी का गठन किया गया है। यह राज्य समिति जिला फीस समिति के आदेश के विरुद्ध अपील की सुनवाई करेगी। जिला फीस समिति का गठन कलेक्टर की अध्यक्षता में किए जाने का प्रावधान है। राज्य फीस समिति अधिनियम की धारा 12 (2) तथा मध्य प्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) नियम 2020 के नियम 11 (3), 11(4) और 11 (5) में किए गए प्रावधानों के आधार पर अधिनियम और नियम का पालन करते हुए कमेटी को मिलने वाली अपील का निराकरण करेगी। कमेटी में आयुक्त, लोक शिक्षण, अतिरिक्त मिशन संचालक राज्य शिक्षा केंद्र या मिशन संचालक द्वारा अधिकृत अफसर, अपर संचालक वित्त लोक शिक्षण, मुख्य अभियंता राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल और संचालक लोक शिक्षण होंगे।

4 साल के ग्रेजुएशन के बाद एक साल में पीजी की डिग्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चार साल का ग्रेजुएशन कोर्स करने वाले स्टूडेंट के लिए पीजी डिग्री एक साल में ही मिल जाएगी। हालांकि, बीई और बीटेक के लिए यह नियम लागू नहीं होगा। यूजीसी ने परास्नातक यानी पीजी कोर्स के जारी नए फ्रेमवर्क में यह सुविधा दी है। यूजीसी ने इस फ्रेमवर्क को इसी सत्र से सभी विश्वविद्यालयों में लागू करने के निर्देश दिए हैं। एक वर्षीय पीजी कोर्स पूर्व की तरह चलता रहेगा। इसी साल से यूजी के चौथे वर्ष में प्रवेश की तैयारी उच्च शिक्षा विभाग ने शुरू कर दी है।

क्रेडिट अंक होंगे अलग-अलग

नए फ्रेमवर्क के तहत बीई-बीटेक को छोड़ बाकी चार वर्षीय स्नातक कोर्स करने वाले छात्रों के लिए पीजी कोर्स एक साल का होगा। इसके लिए छात्रों को 260 क्रेडिट अंक जुटाने होंगे। वहीं एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा के लिए 240 क्रेडिट अंक जुटाने होंगे।

दो साल का पीजी कोर्स

नए फ्रेमवर्क में चार साल का बीई-बीटेक कोर्स करने वाले छात्रों के लिए पीजी कोर्स दो साल का ही रहेगा। उन्हें 280 क्रेडिट अंक जुटाने होंगे। तीन साल का स्नातक कोर्स करने वालों के लिए परा स्नातक दो साल का होगा।

ई-प्रवेश: यूजी-पीजी में 9 लाख सीटें खाली, यूजी में 19 को आवंटन, पीजी में 22 तक पंजीयन

पहले राउंड में अब तक लगभग 1 लाख प्रवेश ही हुए हैं, कुल 10.32 लाख सीटें हैं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के कॉलेजों में यूजी-पीजी में अब तक लगभग 1 लाख प्रवेश ही हुए हैं और करीब 9 लाख सीटें अब भी खाली हैं। ई-प्रवेश प्रक्रिया के तहत दूसरा राउंड जारी है। यूजी में अब तक करीब 2.40 लाख विद्यार्थियों ने दस्तावेजों का सत्यापन करा लिया है। इन विद्यार्थियों को 19 जून को सीटों का आवंटन किया जाएगा पीजी में अब तक केवल 17 हजार प्रवेश हुए हैं। जबकि पीजी की करीब 2.12 लाख सीटें हैं। पीजी में भी दूसरा चरण शुरू हो गया है। इसमें 22 जून तक विद्यार्थी पंजीयन करा सकेंगे। अब तक 39214 विद्यार्थियों ने अपनी चॉइस बताकर 34166 ने सत्यापन कराया है। पहले राउंड में 29,263 को सीटें आवंटित की गई हैं। अभी तक पीजी में करीब 1.95 लाख से अधिक सीटें खाली पड़ी हैं।

यूजी में 83 हजार ने ही फीस जमा की

यूजी में पहले चरण के बाद करीब 7.36 लाख सीटें खाली रह गई हैं। आवंटित सीटों पर अंतिम दिन तक करीब 83 हजार से अधिक स्टूडेंट्स ने ही फीस जमा की है। यूजी में 8.19 सीटें हैं, इनमें से पहले राउंड में 1.25 लाख सीटें आवंटित की गई थीं। इसमें करीब 83 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। विभाग को उम्मीद है कि दूसरे राउंड में विद्यार्थियों की प्रवेश स्थिति में सुधरेगी। उल्लेखनीय है कि उच्च शिक्षा विभाग द्वारा इस बार ई-प्रवेश प्रक्रिया में प्रदेश के लगभग 1,314 सरकारी और निजी कॉलेजों को शामिल किया गया है। इन कॉलेजों की यूजी-पीजी की लगभग 10.32 लाख सीटें हैं।

बीएड के लिए 25 को होगा सीटें का आवंटन

एनसीटीई के बीएड सहित नौ कोर्सों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग की जा रही है। तीसरे राउंड में अंतिम दिन तक करीब 52 हजार विद्यार्थियों ने चॉइस फिलिंग की है। तीसरे राउंड में 19556 नए विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराए हैं। इसमें बीएड कोर्स में रजिस्ट्रेशन, चॉइस फिलिंग और सत्यापन कराने वाले विद्यार्थियों की सर्वाधिक है। तीसरे राउंड में सत्यापन की शनिवार को आखिरी तारीख है। इसमें समेकित मेरिट लिस्ट 18 जून को जारी होगी, जबकि आवंटन 25 जून को होगा।

आरजीपीवी घोटाले में एक और गिरफ्तार

भोपाल। आरजीपीवी में हुए वित्तीय घोटाले के मामले में एक और गिरफ्तारी हुई है। बताया जा रहा है कि मुख्य आरोपी कुमार मयंक की पत्नी को रांची एसआईटी ने गिरफ्तार कर लिया है। घोटाले के दौरान मयंक आरबीएल बैंक में तैनात थे। 19 करोड़ रुपये से अधिक के एफडी घोटाले में तत्कालीन कुलपति को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। बता दें कि 19.48 करोड़ रुपये के घोटाले में तत्कालीन कुलपति सुनील कुमार गुप्ता और वित्त नियंत्रक हृषिकेश वर्मा की पत्नी सीमा वर्मा को हाईकोर्ट ने जमानत पर रिहा कर दिया है।

मेट्रो एंकर

मामला वन विभाग में पुरानी खरीदी का

जांच से संबंधित दस्तावेज दबाए बैठे अफसर!

भोपाल, दोपहर मेट्रो। वन विभाग में वायरबेड और चैनलिंक खरीदी सहित आधा दर्जन से अधिक शिकायतों से संबंधित जांच थम-सी गई है। मामला छतरपुर डीएफओ एवं वर्तमान ओएसडी अनुराग कुमार से जुड़ा बताया जा रहा है। जो अधिकारी सीएफ कार्य आयोजना अजय कुमार पाण्डेय छतरपुर और वन संरक्षक छतरपुर संजीव झा के बार-बार पत्र लिखने के बावजूद भी मौजूदा डीएफओ दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं। कमोवेश ऐसी ही शिकायत लोकायुक्त एसपी की भी है। इसके कारण शिकायतों की जांच तक शुरू नहीं हो सकी है।

जानकारी के मुताबिक जांच अधिकारी एवं वन संरक्षक छतरपुर वर्किंग प्लान अजय कुमार पांडेय ने 27 मार्च को पत्र लिखकर तत्कालीन डीएफओ छतरपुर अनुराग कुमार के खिलाफ कोई विभिन्न शिकायतों से संबंधित दस्तावेज मांगे। पांडेय के पत्र के बाद वन संरक्षक छतरपुर संजीव झा ने पत्र लिखकर जांच अधिकारी को समस्त दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए कई पत्र लिख चुके हैं किंतु वर्तमान डीएफओ ने उन पत्रों का जवाब नहीं दे रहे। शिकायत करने वालों में सेवानिवृत्त एसडीओ केबी गुप्ता, रुद्र प्रताप सिंह, कर्मचारी कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष मुनेंद्र सिंह परिहार आदि शामिल हैं। चर्चा है कि विभाग ने मंत्रालय में पदस्थ ओएसडी अनुराग कुमार को बचाने के लिए एक एसडीओ को फंसा रहा है। इसके चलते वे आईएफएस की दौड़ से बाहर कर दिया गया। इस पर संबंधित अफसर बात करने से बच रहे हैं।

ये मांगे गए दस्तावेज

पदस्थिति के दौरान किये गये स्थानांतरण आदेशों की सत्यापित प्रतियां। चैनलिंग, बारवेड वायर, खंभा, सीसीटीव्ही, यूनीफार्म इत्यादि खरीदी गई सामाग्री से संबंधित समस्त सत्यापित प्रमाणक की प्रतियां। फेल पेमेन्टों से संबंधित प्रमाणकों की सत्यापित प्रतियां। तेंदूपत्ता सीजन में कोविड संक्रमण की की रोकथाम हेतु जिला यूनियन छतरपुर द्वारा सेनेटाईजर, मास्क, एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी सामग्री कय संबंधी समस्त सत्यापित प्रमाणकों की प्रतियां आदि।

लोकायुक्त में मामला दर्ज

लोकायुक्त संगठन तत्कालीन छतरपुर डीएफओ एवं वर्तमान अवर सचिव वन अनुराग कुमार के खिलाफ वायरबेड और चैनलिंक खरीदी में अनियमित किए जाने पर प्रकरण पंजीबध्द किया है। जांच की जिम्मेदारी एसपी सागर लोकायुक्त को दी गई है। लोकायुक्त संगठन ने वन विभाग को पत्र लिखकर खरीदी से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने के बार-बार निर्देश दिए जा रहे है किन्तु विभाग टालमटोल कर रहा है।

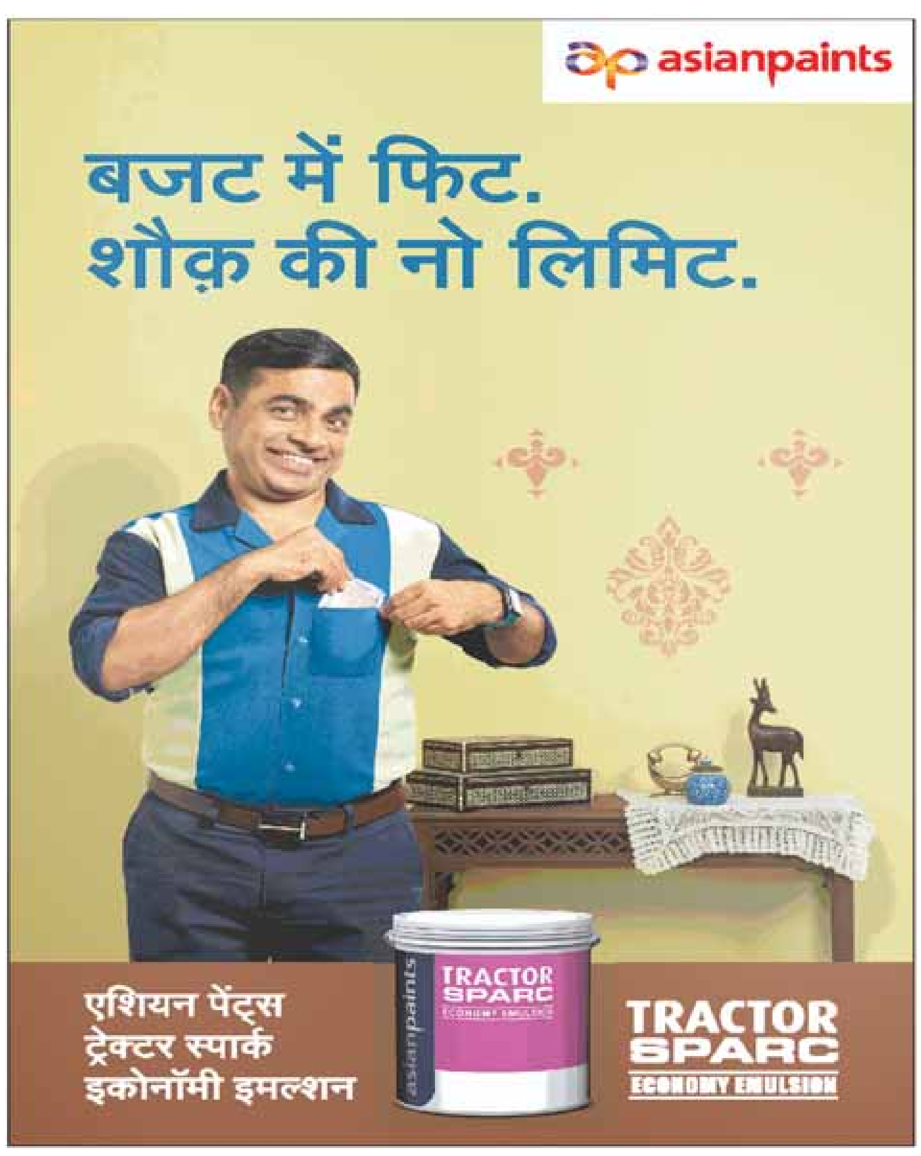

संपादकीय

पानी की दलदली कहानी

भीषण गर्मी के इस दौर में यूं तो पानी सभी शहरों कस्बों की समस्या है लेकिन दिल्ली में इस बार जिस तरह का टकराव देखने को मिल रहा है वैसा पहले कभी नहीं हुआ। सियासत भी पूरे रंग पर है। यह विवाद पूरे देश का ध्यान खींच रहा है। चूंकि दिल्ली के लोगों को पानी की कटौती का भी सामना करना पड़ रहा है। लिहाजा दिल्ली ने पड़ोसी राज्य हरियाणा से मानवता के आधार पर अधिक पानी देने की अपील की है। अगर हरियाणा के पास अधिक पानी है तो उसे दिल्ली की मदद जरूर करनी चाहिए। मगर मुश्किल यह भी है कि दोनों राज्यों में अलग दल की सरकारें हैं और पानी व सियासत को लेकर दोनों का बैर जगजाहिर है व पुराना है। दिल्ली जल संकट का यह मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा हुआ है। हालांकि शीर्ष अदालत का यह कहना बिल्कुल सही है कि उसके पास पानी के बंटवारे का फॉर्मूला तय करने की विशेषज्ञता नहीं। वैसे भी अभी यह समय फॉर्मूला निकालने का नहीं है। अभी दिल्ली को पानी चाहिए, वह भी जल्द। पानी को लेकर हिमाचल, हरियाणा, यूपी, राजस्थान और दिल्ली के बीच 1994 में एक समझौता हुआ था। हालांकि इस बात को तीन दशक बीत चुके हैं और इस दौरान दिल्ली की आबादी, उसकी जरूरतें बहुत ज्यादा बढ़ चुकी हैं। इसलिए पुराने समझौते में बदले हुए हालात के मुताबिक बदलाव करना बेहतर होगा। पानी की समस्या केवल दिल्ली की नहीं, देश के लगभग सभी बड़े शहर इससे जूझ रहे हैं। कुछ अरसा पहले बेंगलुरु से ऐसी खबरें आ रही थीं। मुंबई में भी इस साल बीएमसी को पानी में कटौती करनी पड़ी। यह साफ इशारा है कि हमारा जल प्रबंधन ठीक नहीं। अभी तक जो भी इंतजाम किए हैं हमने, वे कारगर नहीं हो पा रहे हैं। वक्त है कि उनकी फिर से समीक्षा की जाए। हमारे शहर जिस संकट का सामना कर रहे हैं, वह केवल इस साल की कहानी नहीं है। जलवायु परिवर्तन का असर गहराने के साथ यह संकट भी बढ़ता जाएगा। इससे बचने के लिए प्रभावी और दूरगामी कदम उठाने होंगे। हमारी नदियों में पानी की गुणवत्ता और खराब होती जा रही है। तमाम नदियों का पानी तो अब जानवरों के पीने लायक भी नहीं बचा है। यही हाल तालाब, कुओं और दूसरे जलाशयों का भी है। कई जगह अतिक्रमण हो चुका है। इस पर सख्त एक्शन लेना होगा। दिल्ली में जब संकट गहराया है तो टैंकर माफिया की बात चल निकली है। लेकिन, सोचने वाली बात है कि ये माफिया एकाएक तो इतने मजबूत हुए नहीं होंगे। इन पर पहले एक्शन क्यों नहीं हुआ? और इन्हें किसकी शह मिल रही होगी। इसी तरह वॉटर रीसाइक्लिंग और ग्राउंड वॉटर रिचार्ज पर कितना काम हो रहा, इसे भी चेक किया जाना चाहिए। पानी जैसी बुनियादी जरूरत की किल्लत सबसे ज्यादा मार करती है गरीबों पर। अमीर तबका पानी खरीदकर अपनी प्यास बुझा सकता है, लेकिन टैंकर के पीछे दौड़ने और सार्वजनिक नलों पर धूप में लंबी लाइन लगाने वाली आम जनता के बारे में सोचा जाना चाहिये। सरकार की हर नीति में इनका ध्यान रखना चाहिए। दिल्ली का मसला सिर्फ राजनीतिक नहीं है लेकिन देश के अन्य शहर में भी आगामी समय को ध्यान में रखते हुए पानी-नीति जैसा कोई मसौदा बनना चाहिये तथा इसके केंद्र में दल नहीं बल्कि आम आदमी होना चाहिये।

संघ-भाजपा राजनीति की रपटीली राहें

■ आलोक मेहता

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने सत्ता में आने से बहुत पहले दिसम्बर 1963 में नवनीत पत्रिका के संपादक को एक इंटरव्यू में कहा था - राजनीति की राहें रपटीली होती हैं। इन राहों पर चलते समय बहुत सोच समझकर चलना पड़ता है। थोड़े से असंतुलन से गिरने की नौबत आ जाती है। इसलिए इन राहों पर बहुत अधिक संतुलन बनाए रखना पड़ता है। यह बात उनके प्रधान मंत्री पद पर रहते हुए सच साबित हुई। गठबंधन से अधिक उन्हें अपनी पार्टी और संघ के कुछ नेताओं द्वारा बिछाए गए काँटों का सामना करना पड़ा। ऐसा लगता है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और उनके निकटस्थ सहयोगी गृह मंत्री अमित शाह को लोक सभा चुनाव के दौरान और ऐतिहासिक ढंग से तीसरी बार भाजपा को सत्ता में लाने के बावजूद अपनों से ही फूलों की मालाओं के साथ काँटों भरी बातों की कटोरी भी संभालना पड़ रही है।

भाजपा के नेता कार्यकर्ता ही खुलकर कोई शिकायत या आरोप नहीं लगा रहे हैं, लेकिन चुनाव से पहले या बाद में अपना दुखड़ा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शीर्ष नेताओं को पहुंचा रहे थे। शायद यही कारण है कि सीधे किसी का नाम लिए संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत और एक दो अन्य नेताओं ने हाल के लोक सभा चुनाव में पर्याप्त बहुमत नहीं मिलने पर कुछ तीखी टिप्पणियां कर दी। बर्षों से संघ भाजपा के रिश्तों और राजनीति को देखने समझने के कारण मेरे जैसे पत्रकार को आश्चर्य नहीं हुआ। इसलिए यह अवश्य कहूंगा कि संघ ने अपनी लक्षण रेखा सदा बनाए रखी है। इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणियों से वह अपने स्वयंसेवकों को दिलासा देते हैं कि उनकी आवाज नेतृत्व को पहुंचाई जा रही है। वहीं मीडिया जो भी अर्थ लगाए यह सन्देश जनता को देते हैं कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार नागपुर संघ मुख्यालय के आदेश निर्देश पर नहीं चल रही है। चुनाव अभियान और अन्य मंचों पर भी राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी या कम्युनिस्ट तथा अन्य विरोधी दलों के नेता नागपुर और संघ के इशारों पर चलने के आरोप भाजपा सरकार पर लगाते रहते हैं। मतलब यह कि बयानों से दोनों पक्षों का लाभ मिल जाए। अन्यथा संघ और जनसंघ भाजपा के सपने तथा प्रमुख लक्ष्य नरेंद्र मोदी ने दस वर्षों में पूरे कर दिए। अयोध्या का भव्य राम मंदिर ही नहीं काशी, मथुरा के मंदिरों के कायाकल्प, जनसंघ भाजपा के संस्थापक डॉक्टर श्यामाप्रसाद मुखर्जी जिस कश्मीर के लिए शहीद हुए उसे संविधान की अस्थाई धारा 370 की समाप्ति, तलाक प्रथा से मुक्ति, महिलाओं को संसद विधान सभा में 33 प्रतिशत आरक्षण का कानून जैसे प्रमुख उद्देश्य पूरे हो गए। समान नागरिक संहिता के कानून को उत्तराखंड में पारित करवाकर देश भर में लागू करने की तैयारी कर ली। जनता के अनेक कल्याण कार्यक्रमों के साथ हिंदुत्व की विचारधारा को विश्व व्यापी पहुंचाने में सफलता दिलवाई। फिर निजी शिकायतों के अलावा संघ या पार्टी के कार्यकर्ता किस मुद्दे पर नरेंद्र मोदी का विरोध कर सकते हैं।

हाल में सरसंघचालक मोहन भागवत ने नागपुर में संघ के कार्यकर्ता विकास वर्ग के समापन कार्यक्रम में चुनाव, राजनीति और राजनीतिक दलों के रवैये पर कुछ बातें स्वयंसेवकों को कही, उस पर देश भर में चर्चा छिड़ गई। उन्होंने कहा- जो मर्यादा का पालन करते हुए कार्य करता है, गर्व करता है, किन्तु लिप्त नहीं होता, अहंकार नहीं करता, वही सही अर्थों में सेवक कहलाने का अधिकारी है। जब चुनाव होता है तो मुकाबला जरूरी होता है। इस दौरान दूसरों को पीछे धकेलना भी होता है, लेकिन इसकी एक सीमा होती है। यह मुकाबला झूठ पर आधारित नहीं होना चाहिए।लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद बाहर का माहौल अलग है। नई सरकार भी बन गई है। ऐसा क्यों हुआ, संघ को इससे मतलब नहीं है। संघ हर चुनाव में जनमत को परिष्कृत करने का काम करता है, इस बार भी किया, लेकिन नतीजों के विश्लेषण में नहीं उलझता। लोगों ने जनादेश दिया है, सब कुछ उसी के अनुसार होगा। क्योंड कैसेड़ संघ इसमें नहीं पड़ता। दुनियाभर में समाज में बदलाव आया है, जिससे व्यवस्थागत बदलाव हुए हैं। यही लोकतंत्र का सार है।

सरसंघ चालक मोहन भागवत के बाद अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य और मुस्लिम मोर्चे के प्रमुख इंद्रेश कुमार ने बयान दे दिया उन्होंने कहा जो अहंकारी हो गए हैं, उन्हें 241 पर रोक दिया, जिनकी राम के प्रति आस्था नहीं थी, अश्रद्धा थी। उन सबको मिलकर 234 पर रोक दिया। यही प्रभु का न्याय है। राम सबके साथ न्याय करते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव को ही देख लीजिए। जिन्होंने राम की भक्ति की, लेकिन उनमें धीरे-धीरे अहंकार आ गया। उस पार्टी को सबसे बड़ी पार्टी घोषित कर दिया। उनको जो पूर्ण हक मिलना चाहिए, जो शक्ति मिलनी चाहिए, वो भगवान ने अहंकार के कारण रोक दी। उन्होंने कहा कि जिन्होंने राम का विरोध किया, उन्हें बिल्कुल भी शक्ति नहीं दी। उनमें से किसी को भी शक्ति नहीं दी। सब मिलकर भी नंबर-1 नहीं बने, नंबर-2 पर खड़े रह गए। इसलिए प्रभु का न्याय विचित्र नहीं है, सत्य है, बड़ा आनंददायक है।

उनका वक्तव्य मोदी सरकार और भाजपा विरोधियों के लिए चुटकी लेने का हथियार जरुर बना, लेकिन असलियत यह भी है कि वह संघ के कट्टरपंथी विवादास्पद नेता माने जाते हैं। एक तरफ उन पर अजमेर शरीफ और मालेगांव में हुए बम विस्फोटों को अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग के गंभीर आरोप रहे, जिनका संघ और भाजपा ने ड्रानूनी बचाव किया, दूसरी तरफ संघ के मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संयोजक के बावजूद उनके कुछ बयान पहले भी भाजपा सरकारों के लिए सिरदर्द रहे। सबसे दिलचस्प बात यह है कि अब वह अयोध्या के भाजपाई सांसद को जुल्मी करार दे रहे हैं, लेकिन पिछले वर्षों के दौरान उन्होंने और उनके साथियों ने इस जुल्म को रोकने के लिए क्या कोई प्रयास किए ड्र इसी तरह उनके मुस्लिम मंच ने चुनाव में किन राज्यों में मुस्लिम मतदाताओं के वोट भाजपा को दिलाए ड्र

बहरहाल इस विवाद में महत्वपूर्ण तथ्य भी है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पहले सरसंघचालक श्री गुरु एम् एस गोलवलकरजी ने तो 25 जून 1956 को संघ के मुखपत्र ऑर्गेनाइज़र में स्पष्ट कर दिया था कि संघ कभी भी किसी राजनीतिक दल का स्वयंसेवी संगठन नहीं बनेगा। संघ और जनसंघ के बीच निकट का सम्बन्ध है। हम कोई बड़ा निर्णय परामर्श किए बिना नहीं लेते परन्तु इस बात का ध्यान रखते हैं कि हम दोनों की स्वायत्तता बनी रहे। इसी तरह पूर्व सरसंघचालक प्रोफेसर राजेंद्र सिंह और श्री एस सुदर्शनजी ने अपने कार्यकाल में मुझे जो इंटरव्यू दिए थे, उनमें भी यही कहा था कि सारे संबंधों के बावजूद हम भाजपा के नियमित कामकाज या निर्णयों में हस्तक्षेप नहीं करते हैं। वर्तमान सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत ने तो 18 सितम्बर 2018 को दिल्ली के एक कार्यक्रम में सार्वजनिक रुप से कहा था कि आज के प्रधान मंत्री, राष्ट्रपति संघ के स्वयंसेवक रहे हैं। इसलिए लोग कयास लगाते हैं कि नागपुर से फोन आता होगा और बात होती होगी, यह बिलकुल गलत बात है। एक तो राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाले कार्यकर्ता या तो मेरी उम्र के हैं या मुझसे सीनियर हैं और संघकार्य का जितना मेरा अनुभव है उससे कहीं अधिक अनुभव उनको राजनीति में है। इसलिए उनको अपनी राजनीति चलाने के लिए किसीकी सलाह की आवश्यकता नहीं है। उनकी राजनीति पर हमारा कोई प्रभाव नहीं और सरकार की नीतियों पर भी हमारा कोई प्रभाव नहीं है। इसलिए लोकतंत्र में सबकी राय और विचार के साथ संघ नेताओं के चुनाव पर विचार हो सकते हैं। लेकिन क्या नरेंद्र मोदी जैसी प्रधान मंत्री को कोई कड़े निर्देश दे सकता है। राजनीति और चुनाव में हार जीत के साथ कई खतरे होते हैं। यह संभव नहीं कि सबको खुश रखा जा सके। विचारों, आदर्शों और कार्यक्रमों को लागू करने के बाद भी विशाल देश में हर मोड़ पर फूलों के साथ कांटे जरुर मिलते रह सकते हैं।

'ओटीपी पापा'...पिताओं की नई जमात !!

■ संजीव शर्मा

ओटीपी पापाज्जी हां, क्या आप भी ओटीपी पापा हैं!! यह पढ़कर आप भी चौंक गए न। आज जब सोशल मीडिया फादर्स डे पर पापा, पॉप्स, बाबूजी, दादा, अब्बा, पापाजी, बाबा और डैड जैसे-जैसे तमाम संबोधन के जरिए पिताओं के योगदान को सराह रहा है, उनका गुणगान कर रहा है और उनसे मिली शिक्षाओं का बढ़ चढ़कर बयान कर रहा है तब 'ओटीपी पापा' कहना चौंकाता है और चौंकना भी चाहिए क्योंकि अब तक आपने भी पिताजी के लिए यह संबोधन नहीं सुना होगा।

कुछ साल पहले की बात है जब दिल्ली में अक्सर 'संडे पापा' को लेकर चर्चा होती थी। दरअसल दिल्ली में नौकरी करने वाले बहुत सारे हमारे साथी ऐसे थे जो मेरठ, अलीगढ़ और इसी तरह दिल्ली के आसपास के शहरों से अप-डाउन करते थे। उस समय न तो आवागमन के इतने ज्यादा साधन थे और न ही आज की तरह तेज रफ्तार गाड़ियां। इसलिए, उन्हें सुबह नौ-साढ़े नौ बजे तक का ऑफिस मिलाने के लिए घर से बहुत जल्दी निकलना पड़ता था और तब बच्चे सोते रहते थे। इसी तरह शाम को 6 बजे तक की ड्यूटी करने के बाद दोस्तों के चाय पानी करते हुए वे देर रात की ट्रेन से घर पहुंच पाते थे। ऐसी स्थिति में उनके छोटे बच्चे सो जाते थे। ऐसी सूरत में बच्चों की संडे और छुट्टी के दिनों में ही अपने पिता से मुलाकात हो पाती थी इसलिए मजाक में 'संडे पापा' कहने का चलन शुरू हो गया क्योंकि पापा और बच्चों के बीच में मुलाकात संडे को ही हो पाती थी।

कुछ इस तरह का किस्सा 'ओटीपी पापा' का भी है। दरअसल आज के कैशलेस बाजार में नकद पैसे लेकर चलने का रिवाज लगभग खत्म हो गया है और पिता से लेकर बच्चों तक तमाम पेमेंट एप और ऑनलाइन भुगतान के तरीकों से खरीदारी या लेनदेन कर रहे हैं। अब बच्चों का खर्च पर काबू तो होता नहीं है इसलिए अक्सर मां-बाप या तो उनके पॉकेट मनी को सीमित कर देते हैं या फिर भुगतान के लिए उनके यूपीआई पेमेंट प्रक्रिया को अपने अकाउंट से जोड़ देते हैं। वैसे भी, बच्चन साहब (अमिताभ बच्चन) आए दिन भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से यही ज्ञान प्रतिदिन देते हैं।

आज के कैशलेस बाजार में नकद पैसे लेकर चलने का रिवाज लगभग खत्म हो गया है और पिता से लेकर बच्चों तक तमाम पेमेंट एप और ऑनलाइन भुगतान के तरीकों से खरीदारी या लेनदेन कर रहे हैं। अब बच्चों का खर्च पर काबू तो होता नहीं है इसलिए अक्सर मां-बाप या तो उनके पॉकेट मनी को सीमित कर देते हैं ....

यह उचित भी है क्योंकि साइबर फ्रॉड अथवा ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए बैंकों ने भी किसी भी लेनदेन के साथ ओटीपी अनिवार्य कर दिया है। अब, जब भी बच्चों को कुछ खरीदना या लेनदेन करना होता है तो वे अक्सर ओटीपी के लिए पापा पर आश्रित हो जाते हैं। बस, यहीं से 'ओटीपी पापा' की अवधारणा शुरू हुई। हम सब जानते हैं कि मोबाइल फोन और ईयर फोन/बड्स में रमी नई पीढ़ी के पास जब दोस्तों के साथ बैठकर बात करने का वक्त नहीं है तो वह मां-बाप के साथ कहां से समय निकाल पाएंगे इसलिए घरों में और खासतौर पर एकल परिवारों में परस्पर बातचीत का चलन कम होता जा रहा है।

बच्चे मोबाइल में मैसेजिंग के जरिए तो बहुत सारी बात कर लेते हैं, सोशल मीडिया पर वह देश ही नहीं दुनिया भर के लोगों से संवाद करते हैं और उनके दोस्तों की संख्या भी हजारों में होती है लेकिन असल जिंदगी में साथ बैठकर गपियाने के लिए न उनके पास वक्त होता है, न दोस्त और न ही रिश्तेदार। इसलिए, जब भी उन्हें किसी चीज की जरूरत होती है तो वह ऑनलाइन ऑर्डर करते हैं और फिर मां-बाप के पास ओटीपी के लिए फोन या संदेश आ जाता है। एक तरह से अब यह ओटीपी ही उनके बीच परस्पर संवाद का कारण बन गए हैं और इसी के चलते पापा, बाबूजी, पापा जी, बाबा और अब्बा की बजाय अब पापा 'ओटीपी पापा' हो गए हैं।

तो इस फादर्स डे पर आप भी ओटीपी पापा बनकर न केवल बच्चों को खुश रखिए बल्कि अपने भी आधुनिक होने की खुशियां मनाइए। वैसे भी फादर्स डे कोई हमारा परंपरागत त्यौहार तो है नहीं बल्कि यह भारतीय संस्कृति से अलग किस्म का पर्व है। हमारी सनातन संस्कृति में तो पूरे 365 दिन माता-पिता के सम्मान को समर्पित हैं लेकिन फादर्स डे और इसी तरह के अन्य दिन हमें साल में एक दिन मां बाप के सम्मान का अवसर देते हैं। बाजार ने अपने मुनाफे के लिए इन एक दिन के पर्वों को दशहरा- दीवाली और ईद से बड़ा बना दिया है।

फादर्स डे नुमा दिनों का मतलब ग्रीटिंग कार्ड खरीदना, केक कटवाना और उपहार देकर किसी महंगे होटल में जाकर खा पी लेना, हो गया है। यदि आपके पास पैसा है तो आप कपड़े, जूते और गहने में भी खर्च कर सकते हैं। हालांकि, मेरा मानना है कि हम उत्सव धर्मी लोग हैं इसलिए किसी भी माध्यम से सहीज्आनंद मनाए। फिर चाहे वह फादर्स डे हो,मदर्स डे या फिर होली-दीवालीज्तो बस, ओटीपी पापा मौज करिए।

--फैसबुक वॉल से साभार

आप जिस चीज पर ध्यान देना छोड़ देते हैं वह चीज नष्ट होना शुरू हो जाती है

निशाना

सबक सिखाना पाक को !

बैठकों का दौर है।
करने को प्रहार ।।
सबक सिखाना पाक को।
बड़ा अबकी बार ।।
गया सर से पानी।
कस कमर तैयार ।।
बातचीत का पहले ही वो।
खो चुका आधार ।।
करता देश इंतज़ार।
घड़ी जल्द वो आए ।।
जैसे को तैसा मिले।
उसकी जगह बताएं ।।
भरा घड़ा अब पाप का।
निर्णय अंतिम दौर ।।
ना रहा कुछ शेष।
बदल रहे हैं ठौर ।।

- कृष्णेन्द्र राय

आज का इतिहास

- 1462 व्लादिया के व्लाद ड्रैकुला के नेतृत्व में सेनाओं ने मेहमेद द्वितीय की हत्या करने के प्रयास में रात में एक ओटोमैकैंप पर हमला किया।
- 1579 एक्सप्लोरर फ्रांसिस ड्रेक वर्तमान-कैलीफोर्निया के एक क्षेत्र में उतरा, इसे न्यू एल्बियन का नाम दिया और इंग्लैंड के लिए दावा किया।
- 1609 नीदरलैंड, इंग्लैंड और फ्रांस ने 12 वर्षों के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।
- 1631 मुगल बादशाह शाहजहाँ की पत्नी मुमताज़ महल की मृत्यु चिलचिलाती हुई; जहान ने अगले सत्रह साल ताजमहल के निर्माण में बिताए।
- 1734 फ्रांसीसी सैनिकों ने राइन में फिलिप्सबर्ग पर कब्जा किया।
- 1745 अमेरिकी उपनिवेशों ने लुईबॉर्ग, फ्रैंक से केप ब्रेटन द्वीप को कैप्चर किया।
- 1773 कूकाका, कोलम्बिया की स्थापना जुआना रेंगल डी कुएव्हर द्वारा की गई।
- 1775 बंकर हिल के युद्ध में ब्रिटिस सेना नेना अमेरिका की महाद्वीपीय सेना को पराजित किया किंतु उसे भारी क्षति उठानी पड़ी। महाद्वीपीय सेना ने सीघ्र ही स्वयं को पुनर्संयोजित कर लिया और अंरिकी स्वतंत्रता संग्राम जारी रहा।
- 1775 अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध-ब्रिटिश सेनाओं ने बोस्टन, मैसाचुसेट्स के बंकर हिलआउट को लिया।
- 1843 न्यूज़ीलैंड वॉर्स-एन यूरोपियन्स का एक सशस्त्र शस्त्र नेल्सन से नगाती तोआ प्रमुख ते राउपराह को गिरफ्तार करने और माओरी के साथ भिड़ गया, जिसके परिणामस्वरूप 26 मौतें हुईं।
- 1856 रिपब्लिकन पार्टी ने अपना पहला राष्ट्रीय सम्मेलन फिलाडेल्फिया में किया।
- 1876 ग्रेट सिओक्स वॉर-ए बैंड ने रोज़बड की लड़ाई में संयुक्त राज्य सेना के अभियान और उसके क्रो और शोसोन सहयोगियों पर हमला किया।
- 1885 फ्रांस का तोहफा स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी न्यूयॉर्क के बंदरगाह पर पहुंचा।
- 1885 स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी न्यूयॉर्क के हार्बर में लायी गयी
- 1900 बॉक्सर विद्रोह-संबद्ध नौसैनिक बलों ने ताकु फोर्टसाहर पर एक संक्षिप्त लेकिन खूनी लड़ाई पर कब्जा कर लिया।
- 1900 बॉक्सर विद्रोह-संबद्ध नौसैनिक बलों ने ताकु फोर्टसाहर पर एक संक्षिप्त लेकिन खूनी लड़ाई पर कब्जा कर लिया।
- 1922 पुर्तगाली नौसैनिक और सैकादुरा कैबराल ने दक्षिण अटलांटिक का पहला हवाई क्रॉसिंग पूरा किया।
- 1933 सविनय अवज्ञा अभियान समाप्त हो गया। सविनय अवज्ञा कुछ कानूनों, मांगों, या एक सरकार के आदेशों, या एक कब्जे वाली अंतरराष्ट्रीय शक्ति का पालन करने के लिए सक्रिय, प्रवीण इनकार है।

राजस्व ग्राम का दर्जा व कनेक्टिविटी से खुलेंगे तवा नगर विकास के द्वार

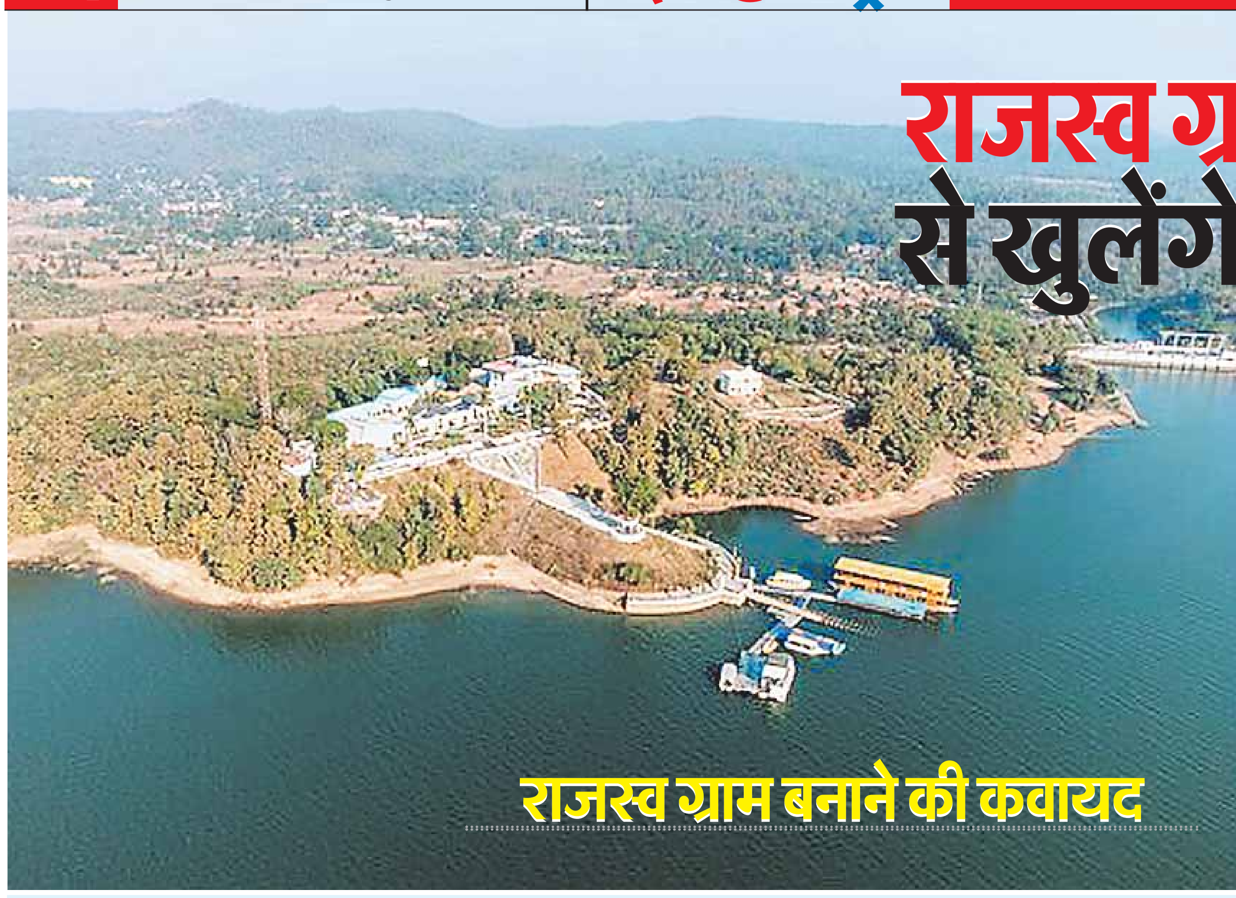

इटारसी, पुनीत मालवीय।

सतपुड़ा के जंगलों की खूबसूरती के बीच 1970 में वन भूमि पर बसाया गया, तवानगर तवा बांध की खूबसूरती के कारण किसी पहचान का मोहताज नहीं है, बावजूद उसके इटारसी अनुविभाग में आने वाले तवानगर का वो विकास नहीं हो पाया जिसे पाने का वह हकदार है। पिछले 54 सालों में भले ही यह क्षेत्र विकास से अछूता रहा हो मगर अब आने वाले सालों में सब कुछ ठीक रहा तो तवानगर पर्यटकों की पहली पसंद बनकर उभरेगा। यह सब इसलिए हो सकेगा क्योंकि जिला प्रशासन ने तवानगर को राजस्व ग्राम बनाने की कवायद शुरू कर दी है। राजस्व ग्राम का दर्जा और इटारसी जंक्शन से सीधे कनेक्टिविटी तवानगर में होटल इंडस्ट्री सहित अन्य क्षेत्रों में विकास का बूम लाने में बड़ी भूमिका अदा करेगी।

वन भूमि पर बसा है तवानगर

सामान्य वन विभाग की 4598.98 एकड़ भूमि पर शीट क्रमांक 105.106.103 और 111 पर बसे तवा नगर की जनसंख्या करीब 6 हजार है। नगर में एक उपस्वास्थ्य केद्र, 6 आगंनबाड़ी, 5 स्कूल, एक पुलिस थाना स्थापित हैं इसके अलावा यहां पर अन्य कोई बड़े निर्माण नहीं हो पाए हैं। तवा बांध के किनारे केवल मप्र टूरिज्म कॉर्पोरेशन को रिसार्ट भर संचालित है।

1970 में बसा था तवानगर

नर्मदापुर और हरदा जिले में किसानों को सिंचाई के लिए पानी देने 1970 में वन विभाग ने जल संसाधन विभाग को जमीन दी थी। इस पर तवा बांध का निर्माण किया गया। इससे जुड़े विभागों के अधिकारी कर्मचारियों के आवास बनाकर नगर बसायाथा। बिजली संयंत्र सहित टूरिज्म गतिविधियां भी यहां पर शुरू की गई है।

यह हैं नुकसान

तवानगर को राजस्व ग्राम का दर्जा नहीं होने से यहां रहने वालों के पास जमीन का मालिकाना हक नहीं है। पूरी भूमि शासकीय रिकार्ड में दर्ज शासन के नाम दर्ज है। पट्टा नहीं होने से आज तक किसी को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। गरीब परिवार आज भी कच्चे मकान और झोपड़ी में निवास करते है। हजारों लोग वर्षों से जल संसाधन विभाग के कुंओं के सहारे पेयजल व्यवस्था कर रहे है। गांव में नल नहीं है। यहां तक आवागमन करने के लिए बसों का आवागमन नहीं होता है। लोगों को टैक्सी का सहारा लेना पड़ता है। 25 किलोमीटर का जंगली रास्ता वन्य प्राणियों के खतरे के बीच तय करना पड़ता है। जिला प्रशासन ने तवा नगर को राजस्व ग्राम बनाने के मिले निर्देशों के पालन के लिए वन विभाग उसकी कितनी जमीन पर नगर बसा है। वहां किस तरह कितनी की जमीन है। इसकी जानकारी जुटाने में लगा है। इसी तरह राजस्व विभाग तवा नगर को स्केन कर तवानगर को राजस्व ग्राम दर्जा देने के लिए जरूरी कार्रवाई और दस्तावेज जुटा रहा है। दस्तावेजों का परीक्षण करने के बाद केंद्र सरकार गांव को राजस्व करने करने की प्रकिया करेगी।

इनका कहना है

तवा बचाओ संघर्ष समिति के माध्यम से हम वर्ष 2015 से तवानगर को राजस्व ग्राम का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। अब जिला प्रशासन ने उस पर संज्ञान लिया है। राजस्व ग्राम का दर्जा मिलने से तवानगर में विकास के रास्ते खुल जाएंगे।

भूपेश साहू, अध्यक्ष तवा बचाओ संघर्ष समिति

पंचायत ने समय-समय पर राजस्व ग्राम का दर्जा देने के लिए प्रयास किए हैं। जिला प्रशासन अब इस पर आगे बढ़ रहा है तो यह तवानगर के लिए विकास में बड़ी भूमिका अदा करेगा। टूरिस्ट पाइंट होने व इटारसी से निकटता होने से इस क्षेत्र का तेजी से विकास हो सकेगा।

शिवनारायण धुर्वे, सरपंच रानीपुर पंचायत

पौधारोपण के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान का शक्ति घाट पर समापन

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो।

शासन के निर्देश अनुसार जल गंगा संवर्धन अभियान 5 जून से 16 जून तक चलाया गया अभियान में निकाय क्षेत्र में स्थित विभिन्न जल स्त्रोतों नदी तालाबों कुआ,बावड़ी, तथा अन्य जल स्त्रोत के संरक्षण एवं पुनर्जीवन हेतु विभिन्न गतिविधियां कराई गई। जिसके चलते जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर अनेकों कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें नपा अध्यक्ष रितेश जैन, प्रदेश कार्यकारिणी समिति सदस्य संतोष पारीक, सीएमओ शीतल भलावी एवं पार्षदों की उपस्थिति में शक्ति घाट पर महिला समूह के द्वारा भजन कीर्तन किए गए एवं पूजन पाठ के साथ जनप्रतिनिधियों द्वारा पौधों रोपण किया गया और कुसुम महाविद्यालय छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए एवं नगर पालिका सभागृह में मुख्यमंत्री मोहन यादव का उज्जैन से लाइव प्रसारण दिखाया गया जिसमें नपा अध्यक्ष रितेश जैन, प्रदेश कार्यकारिणी समिति सदस्य संतोष पारीक, तहसीलदार नितिन राय, सीएमओ शीतल भलावी,पार्षद ईश्वर दास जामीदार,खेमचद चौकसे,सरिता प्रदीप अग्रवाल,किरण बाथव,दुर्गेश उईके,दीपक वाथव,गीता बाई तुलसीराम कुशवाहा,सुनीता सुरेश सूर्यवंशी,रचना अयूब लहरी,मुख्य लिपिक संजय गोयल, उपयंत्री राहुल शर्मा, चंद्र कांत कवर, कुसुम महाविद्यालय के डॉ अशोक यादव, मोहन गुर्जर,स्वच्छता निरीक्षक डॉ प्रशांत कुमार शर्मा, जगदीश पुरोहित, शुभम सोनी, इरफान हुसैन, संतोष चौहान, अर्पित कटियार, शीला धन्यासे, किरण रघुवंशी, वंदना लोवंशी, अमन रघुवंशी, सचिन मलैया,अमित शर्मा, प्रभारी सफाई जमादार नरेंद्र गोहर के साथ-साथ अन्य अधिकारी कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित रहे। नपा अध्यक्ष रितेश जैन ने जल गंगा संवर्धन अभियान में समस्त नागरिकों को इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर अपने घर के आस-पास के जल स्त्रोतों को साफ एवं स्वच्छ रखने में सहयोग किया मैं सभी का धन्यवाद व्यक्त करता हूं एवं आगे भी इसी प्रकार की सहयोग की अपेक्षा करता हूं।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने किया रंढाल ग्राम में पौधोत्सव, वृक्ष दान एवं गौ पूजन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जल गंगा संवर्धन अभियान 05 जून से 16 जून तक चलाये जाने के निर्देश शासन ने दिये थे । जनपद पंचायत नर्मदापुरम में यह अभियान जोर शोर के साथ चलाया गया जिसमें साफ सफाई से लेकर पूर्व से निर्मित जल संग्रहण संरचनायें एवं अनुपयोगी हो चुके जल श्रोतों को अविरल बनाये जाने के लिये इन संरचनाओं का पुनरोद्धार/ जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण किया जाकर इन्हें उपयोगी बनाये जाने का कार्य किया गया । अभियान के समापन के अवसर पर नव निर्वाचित सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने रंढाल ग्राम में उपस्थित होकर वृक्षारोपण, वृक्ष दान के साथ-साथ गौवंश रक्षा वर्ष 24-25 के अंतर्गत नंदिनी गौशाला रंढाल में गायों को गौ ग्रास अर्पित करते हुये गौ पूजन किया । कार्यक्रम में मण्डल अध्यक्ष राहुल सोलंकी, सीईओ हेमंत सूत्रकार, विकास खण्ड पशु चिकित्सा अधिकारी राजेंद्र शर्मा, सहायक पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी आर पी मीना, सी एम बड़ोदिया, टी एस मीना, सरपंच खुशीलाल आठनेरे, सचिव विजय नागवंशी, ग्राम रोजगार सहायक दिनेश मीना सहित बडी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरूष उपस्थित रहे।

निशुल्क परामर्श एवं जांच सेवा का आयोजन

सिवनी मालवा। पिछले दिनों आयुध निर्माणी हॉस्पिटल इटारसी में परामर्श एव जांच सेवा का नि शुल्क शिविर रखा गया था जिसमे डॉ सुनील देवानी डाइबिटीज(सुगर) ब्लड प्रेसर कोलैस्ट्रोल हृदय रोग चिकित्सा विशेषयज्ञ डॉ नीलम देवानी और डॉ रविन्द्र गुप्ता चाइल्ड स्पेसिलिस्ट सहित अन्य पैथोलॉजी स्टाफ़ टेक्निकल स्टाफ के द्वारा आयुध निर्माणी के कर्मचारियों और उनके परिजनों का दांतो से संबंधित सभी बीमारियों का निःशुल्क इलाज किया गया और ब्लड प्रेसर, सुगर ,लिपिड प्रोफइल HBA C और हड्डियों की मुफ्त जांच की गई निर्माणी के आये 200 से 250 कर्मचारियों और परिजनों ने डॉ देवानी से परामर्श कर जाँचे कराई और अपना इलाज कराया। आयुध चिकित्सालय में उपस्थित रहे डॉ भोला प्रसाद डॉ हर्ष वर्मा स्टाफ सुशील शर्मा ,रोहित खरे ,नर्सिंग स्टाफ रजनी सिंडरेले स्मिता राजपूत वीना मैडम पैथोलॉजी स्टाफ जयप्रकाश कोरी अमित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने संगम ट्रेकिंग पॉइंट का निरीक्षण किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर सोनिया मीना ने रविवार को हिल स्टेशन पचमढी में स्थित संगम पॉइंट का निरीक्षण किया। पचमढ़ी के एयर स्ट्रीप से आगे संगम पॉइंट है जो अब तक ज्यादातर पर्यटकों की नजरों से अछूता है। संगम प्वाइंट पर्यटकों के ट्रेकिंग के लिए बेहतरीन पॉइंट है। तीन किलोमीटर के इस ट्रेकिंग पॉइंट से पर्यटक एक घण्टे में ट्रेकिंग करके पहुंच सकते है। संगम पॉइंट चारों तरफ जंगल एवं पहाड़ों से घिरा हुआ है, यहां जल की तीन जल धारा नीचे गिरकर नदी का रूप लेती है। कल कल बहती जलधारा पहाड़ से जब गिरती है तो मन को मोह लेती है। स्वच्छ और साफ जल पर्यटकों को आकर्षित करती है। अब तक पचमढ़ी आने वाले पर्यटक संगम पॉइंट से अनजान है। संगम पॉइंट की ओर पर्यटकों का ध्यान आकर्षित कराने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष प्रयास किए जाएंगे। कलेक्टर सोनिया मीना ने रविवार को ट्रेकिंग करते हुए संगम पॉइंट पर पहुंच कर पर्यटन की संभावनाओं को तलाश। संगम पॉइंट की जल धारा पर्यटकों को एक अद्भुत एहसास कराती है। ट्रेकिंग के दौरान तहसीलदार पिपरिया वैभव बैरागी, रेंजर उमेश मारू और अन्य अधिकारी शामिल रहे।

अचानक निरीक्षण करने पहुडुचे नपाअध्यक्ष व सभापति ने दिए निर्देश

इटारसी। आज सुबह नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे और स्वास्थ विभाग के सभापति राकेश जाधव अचानक शहर की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने नागरिकों से मिल रही शिकायत पर बस स्टैंड पहुंचकर यूनिरल को तत्काल टैंकर से सफाई कराई और कीटनाशक दवा का छिड़काव कराया। उन्होंने कहा कि जल्द ही इसकी रिपेयरिंग भी होगी, साथ ही रेलवे स्टेशन रोड पर बने यूनिरल की दीवार गिर गई जिसे हटाकर नई दीवार बनने के निर्देश दिए। अध्यक्ष पंकज चौरे एवं सभापति राकेश जाधव ने बस स्टैंड पर बस संचालकों से कहा कि बस में बैठे यात्रियों से कहें कि कचरा स्टैंड पर न फैकें। कचरा फैंकने पर बस संचालक पर कार्यवाही की जाएगी। साथ ही कोई भी बस स्टैंड पर बसें नहीं धोएगा। ऐसा करते पाए जाने पर कार्यवाही की जाएगी।

दोनों ने नगर पालिका के गैराज पहुंच कर निरीक्षण किया। यहां जेसीबी सहित अन्य वाहनों को बरसात पूर्व रिपेयर कर तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर स्वच्छता पर्यवेक्षक स्वदेश महोरिया, कमलकांत बडग़ोती, जगदीश पटेल, राहुल घावरी मौजूद थे।

मेट्रो एंकर

खुले में बिक रहे हैं मिष्ठान एवं अन्य स्वल्पाहार खाद्य पदार्थ

मिलावटी एवं दूषित खाद्य पदार्थों को रोकने की खानापूर्ति, कभी कभार ही किया जाता है दुकानों का निरीक्षण

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो।

आम नागरिकों के स्वास्थ्य को बनाने बिगाड़ने में खाद्य पदार्थों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. यदि खाद्य पदार्थ सही नहीं है तो इससे मानव जीवन पर बीमारी का खतरा मंडराने लगता है। खाद्य पदार्थों के निरीक्षण और देखने के लिए शासन ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग बनाया है लेकिन इस विभाग की भूमिका कितनी सक्रिय है यह तो मैदानी स्तर पर देखने के बाद ही पता चलता है।

कहने को नर्मदापुरम संभाग मुख्यालय है लेकिन यहां की खाद्य एवं औषधि व्यवस्था निष्क्रिय मालूम पड़ती है. यहां के खाद्य प्रतिष्ठानों की खाद्य वस्तुएं खुले में रखी दिखाई देती है. जिन पर मक्खियों बैठी रहती है। इसके अलावा किराने की दुकानों पर भी कई प्रकार के मिलावटी पदार्थ बिकते हुए मालूम पड़ते हैं. कई दुकानों पर तो वासी एवं दूषित सामग्री भी बिक्री के लिए रखी जाती है। कई दुकान है ऐसी है जहां एक्सपायरी डेट की वस्तुएं भी ग्राहकों को मिलती है।इसका सबसे बड़ा कारण है कि यहां पर तैनात खाद्य सुरक्षा विभाग अपनी ड्यूटी ईमानदारी से नहीं कर रहा है। होशंगाबाद इटारसी पिपरिया सोहागपुर जैसे नगरों में कई प्रकार के मिष्ठान प्रतिष्ठान है जहाँ सैकड़ो किलो मिष्ठान का निर्माण होता है. ऐसे में खाद सुरक्षा विभाग की जिम्मेदारी बनती है कि वहां पर नियमित रूप से निरीक्षण करके खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की पहचान करें.

कभी कभार ही औपचारिकता के रूप में होता है निरीक्षण..

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण को लेकर कभी कभार ही औपचारिकता निभाई जाती है. बस स्टैंड रेलवे स्टेशन मेन मार्केट मीनाक्षी चौक कोठी बाजार सदर बाजार जैसे इलाकों में स्वल्पाहार की दुकानों पर खुले में खाद्य सामग्री रखी रहती है. इन प्रतिष्ठानों के सामने से गुजरने वाले वाहनों से उड़ने वाली धूल इन खाद्य सामग्रियों पर लग जाती है और यही खाद्य सामग्री ग्राहकों के पेट में चली जाती है. ऐसे में इसका असर नागरिकों की सेहत पर होना आम बात है। कुछ वर्ष पूर्व जिला प्रशासन ने इन खुले रूप से रखी खाद्य सामग्रियों को ढकने के लिए निर्देश जारी किए थे कुछ दिनों तक तो यह व्यवस्था बनी रही लेकिन फिर से अब वही पुरानी परंपरा दिखाई दे रही है. कहने को जिला मुख्यालय पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम है लेकिन इस टीम का क्या काम है यह किसी को नहीं पता. जब कभी वरिष्ठ स्तर से जांच पड़ताल के निर्देश जिला स्तर पर जारी होते हैं तब खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई समाचार पत्र के जरिए देखने सुनने को मिलती है।

एक्सपायरी डेट के बिकते हैं सामान

नगर की कई दुकानों पर खाद्य सामग्री एक्सपायरी डेट पर बिकती हुई दिखाई देती है. इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा इन दुकानों पर नियमित निरीक्षण नहीं किया जाता है. नागरिकों की सेहत के साथ खिलवाड़ करने वाली इन दूषित खाद्य सामग्रियों को लेकर कई बार शिकायत करने की बावजूद भी कार्रवाई नहीं होती. इससे जाहिर होता है कि खाद्य सुरक्षा विभाग और इन दुकानदारों की जुगलबंदी से ही यह सब धंधा चल रहा है(कई बार देखा गया है कि दुकानदारों के सैंपल बना लिए जाते हैं लेकिन इन सैंपलों को जांच के लिए प्रयोगशाला में नहीं भेजे जाते. दुकानदार इन अधिकारियों से तालमेल बनाकर सैंपल को प्रयोगशाला तक जाने से रोक लेते हैं क्योंकि दुकानदार जानते हैं कि संभव है उनके सैंपल प्रयोगशाला में फेल हो गए तो उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

इनका कहना है

खाद्य पदार्थों की जांच निरंतर की जाती है. महीने में 20 -25 दुकानों की जांच तो हो ही जाती है. स्टाफ कम होने की वजह से ज्यादा दुकानों की जांच करना संभव नहीं है. फिर विभाग के और भी कई काम रहते हैं. जिन दुकानों के प्रकरण कोर्ट में लंबित होते हैं उनकी सुनवाई के लिए भी कोर्ट में जाना पड़ता है। हमारी कोशिश रहती है कि अधिक से अधिक प्रतिष्ठानों की जांच करें।

-जितेन्द्र राणा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी नर्मदापुरम

न्यूनतम वेतन एवं नियमितीकरण के सवाल को लेकर

17 जून को अपनी मांगों को लेकर आउटसोर्स, अंशकालीन, पंचायत एवं निगम मंडल कर्मचारी करेंगे प्रदर्शन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सरकारी विभागों में 15-20 साल से काम कर रहे अंशकालीन, ग्राम पंचायतों के कर्मचारियो, सहित लाखों कर्मचारी अब भी न्यूनतम वेतन के दायरे से बाहर हैं, जिन्हें इस महंगाई में मात्र 2 से 4 हजार रूपए ही मिलते। आउटसोर्स, निगम मंडलों के अस्थाई एवं ठेका कर्मचारी जो न्यूनतम वेतन से कम पर काम कर रहें हैं, कंपनियां एवं ठेकेदार इन्हें पूरा वेतन नहीं देते हैं, इनके वेतन से 5 से 7 हजार रूपए महीने की चोरी हो रही है। हमारे आंदोलनों के दबाव में 10 साल बाद मप्र में न्यूनतम वेतन पुनरीक्षित हुआ, दो अप्रैल से लागू भी हो गया, कामगारों को एक महीने बढा हुआ वेतन मिला भी, लेकिन कंपनी मालिकों ने माननीय न्यायालय से स्टे लेकर बढा हुआ वेतन रुकवा दिया और बढे हुए वेतन की रिकवरी कर ली गई है। इस मामले पर सरकार की चुप्पी कंपनी मालिकों को सरकारी संरक्षण की ओर इशारा कर रही है। 16 जून को उपरोक्त सवालों को लेकर हजारों कर्मचारी प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा के नेतृत्व में पं दीन दयाल उपाध्यायजी की प्रतिमा के समक्ष एकत्रित होकर न्याय की गुहार लगाएंगे। ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स, अस्थाई, अंशकालीन एवं ग्राम पंचायत कर्मचारी संयुक्त मोर्चा की कोर कमेटी सदस्य अनिल वाजपेयी ने प्रेस को जारी बयान में उक्त बात जानकारी दी है।

प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने बताया है कि प्रदेश में 12 लाख से अधिक कर्मचारी है, जो सरकारी विभागों में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर कार्यरत होकर विभागों में महत्वपूर्ण काम करते हैं और इनके साथ ही अन्याय हो रहा है, जिन्हें न तो न्यूनतम वेतन मिलता है और न ही इनके रोजगार में सुरक्षा है, इन्हीं सवालों को लेकर प्रदेश के हजारों पीडित कर्मचारी आगामी 17 जून को भाजपा कार्यालय के सामने, पं दीनदयाल उपाध्यायजी की प्रतिमा के समक्ष एकत्रित होकर भाजपा से संवाद कार्यक्रम करेंगे और सरकार से अन्याय समाप्त करने की मांग करते हुए सरकारी विभागों में काम करने वाले हर कर्मचारी को शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन दिलाने का आग्रह करेंगे तथा विधानसभा चुनाव के लिए जारी संकल्प पत्र की गारंटी की याद दिलाते हुए आउटसोर्स अस्थाई कर्मचारियों के लिए संविदा के समान नीति और केंद्र के समान सुविधाओं की मांग करेंगे।

पं दीन दयाल उपाध्यायजी की प्रतिमा के समक्ष

शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भाजपा अध्यक्ष माननीय वी डी शर्मा श्रम मंत्री माननीय प्रहलाद पटेलजी, शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह एवं सांसद दर्शन सिंह चौधरी को पत्र देकर आमंत्रित किया गया है, जिससे पीडित कर्मचारी अपनी बात सरकार और भाजपा नेताओं के समक्ष रखकर न्याय की मांग कर सकें।

सेमी गवर्मेन्ट एम्प्लाइज फेडरेशन मध्यप्रदेश के भोपाल संभाग के संभागीय अध्यक्ष मनमोहन यादव ने बताया कि 17 जून के कार्यक्रम में ग्राम पंचायतों के चौकीदार, पंप आपरेटर, भृक्य, कंप्यूटर आपरेटर, लेखापाल, स्कूलों छात्रावासो के अंशकालीन, अस्थाई एवं दैनिक मजदूरी वाले कर्मचारियों सहित सभी विभागों के आउटसोर्स, अस्थाई एवं ठेका कर्मचारी हजारों की संख्या में शामिल होंगे।

इब्राहीम अलेहस्सलाम की कुर्बानी की याद में मनाया गया ईद उल अजहा का त्यौहार

ईश्वर के लिए त्याग का पैगाम देता ईद उल अजहा बलिदान का महापर्व

ईदगाह पर अदा की गई विषेष नमाज

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

आज देशभर में बल्कि समूचे संसार में इस्लाम धर्म के अनुयाई त्याग और बलिदान का महा पर्व ईद-उल-अजहा मना रहे हैं आज सुबह मुस्लिम समुदाय के हजारों लोगों ने ईदगाह पर ईद की नमाज अदा की वही शहर की अन्य मस्जिदों में भी ईद की विशेष नमाज अदा की गई ईदगाह पर ईद की नमाज हाफिज मतीन उद्दीन साहब ने पढ़ाई, वहीं कुतबा पेश इमाम हाफिज नूर उद्दीन साहब ने पड़ा। नमाज के पश्चात लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर बधाई दी और कुर्बानी करके हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की कुर्बानी को याद किया वहीं राजनीतिक दलों ने भी ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम समाज के लोगों को ईद की मुबारकबाद पेश की जिसमें मुस्लिम महासभा के जिलाध्यक्ष शोएब खांन ने लोगों को ईद की बधाई दी वहीं ईदगाह सहित सारी मस्जिदों के आसपास बड़ी तादाद में पुलिस प्रशासन के साथ आला अधिकारी भी मौजूद रहे।

क्यों की जाती है कुर्बानी – मुफ्ती कारी अब्दुल हफीज द्वारा लोगों को बताया की हर धर्म में कई त्यौहार मनाए जाते हैं जिनका संबंध भूतकाल की किसी घटना या वाक्य से होता है इस्लाम में भी दो त्यौहार मनाए जाते हैं पहला ईद-उल-फितर जो रमजान के तीस रोजे पूरे होने की खुशी में मनाई जाती है दूसरा त्यौहार ईद-उल-अजहा के रूप में मनाया जाता है जोकि हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की महानतम बलिदान की याद ताजा करता है हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम को सालों गुजरने के बाद बुढ़ापे में संतान प्राप्ति हुई ईश्वर ने उन्हें बुढ़ापे की उम्र में एक बेटा दिया जिसका नाम हजरत इस्माइल अलैहिस्सलाम था कुछ साल गुजरने के बाद जब वे लाडला जवानी पर पहुंचा तो उसके बाप हजरत इब्राहिम (अलै) को एक सपना देखा जिसमें अल्लाह उनसे कह रहा है कि इब्राहिम जो चीज तुम्हें सबसे प्यारी हो वह मेरी राह में कुर्बान कर दो क्योंकि नबियों के सपने सच्चे होते हैं तो इब्राहिम (अलै) ने अगले दिन ही सौ ऊंट अल्लाह की राह में कुर्बान कर दिए जो ऊंट उनके धन के रूप में उनके पास थे परंतु दोबारा फिर वही सपना इब्राहिम अलैहिस्सलाम को दिखा फिर हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने अपना बचा हुआ धन यानी ऊंट कुरबान कर दिए लेकिन फिर तीसरे दिन भी वही सपना देखा कि अल्लाह इब्राहिम से कह रहा है कि तुम जिससे सबसे अधिक प्रेम करते हो वह मेरे लिए कुर्बान कर दो तीसरी बार में हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम समझ गए कि अल्लाह तआला मेरे बेटे की कुर्बानी चाहता है क्योंकि वही है जिससे मैं इस दुनिया में सबसे अधिक प्रेम करता हूं तथा उन्होंने अपने बेटे को कुर्बान करने का इरादा कर लिया और उसी दिन अपने बेटे को उस सपने के बारे में बताया कि अल्लाह ताला चाहता है कि मैं तुझे अल्लाह की राह में कुर्बान करूं तेरी क्या राय है बेटा भी आखिर नबी का बेटा था आज्ञाकारी पुत्र ने अपने पिता को उत्तर दिया कि बाबाजान आपको अपने पालनहार से जो हुक्म मिला है उस पर अमल कर दीजिए अगर अल्लाह ताआला मेरी कुर्बानी चाहते हैं तो मैं इसके लिए तैयार हूं। यह कैसा बलिदान था, एक बाप अपने बेटे कि गर्दन पर छुरी चला रहा था जिस बेटे को कई साल तक अल्लाह से दुआओं में मांगा था, वह बेटा जो आगे चलकर बुढ़ापे का सहारा बनने वाला था, जिस बेटे के सर पर नबी और रसूल का ताज रखा जाना था यह सब देखकर फरिश्तों की दुनिया में हलचल सी मच गई, जमीन और आसमान थर्रा गए हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने अपने लगतेजिगर की गर्दन पर छोरी चला कर यह साबित कर दिया कि ईशप्रेम से बढ़कर कुछ नहीं यहां तक कि पुत्र प्रेम को भी आड़े नहीं आने दिया इब्राहिम अलैहिस्सलाम का यह ईशप्रेम देखकर ईशवरवाणी हुई बसकर इब्राहिम हमने तेरी कुर्बानी कबूल कर ली हम तो यह देखना चाहते थे कि तुम हमसे सच्चा प्रेम करते हो या नहीं हम यही देखना चाहते थे कि पुत्र प्रेम कहीं ईशप्रेम से तो नहीं बढ़ गया अल्लाह ताला ने उस जगह एक दुम्बा भेजा और हुक्म दिया कि हमने तुम्हारे कुर्बानी कुबूल कर ली हजरत इब्राहिम ने जैसे ही अपनी आंख से पट्टी खोली तो हजरत इस्माइल को सही पाया और उनकी जगह पर अल्लाह के हुक्म पर उस दुंबे की कुर्बानी की महानतम त्याग और बलिदान का यह पर्व हमें यही पैगाम देता है कि हमें हर हाल में अल्लाह के हुक्म को मानना है। उसके बाद नगर की प्रमुख मसाजिद जामा मस्जिद, ताज मस्जिद, कमन गिरान मस्जिद नखास में बकरीद की नमाज अदा की गई।

मुस्लिम महासभा के जिला अध्यक्ष शोएब खांन एडवोकेट ने अपील की है कुर्बानी का बीफ वगैराह रास्तों एवं कचरा घरों में नहीं डाले कुर्बानी का बचा हुआ बीफ वगैराह जमीन में दफन की जावे जिससे लोगों को परेशानी ना हो।

दिनभर बादलों ने लोगों की बढ़ाई मुश्किलें उमस ने किया वेहाल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पिछले कुछ दिनों से मौसम हुए बदलाव के बाद आसमान पर बादलों का डेरा है। रविवार को भी सुबह से ही बादलों की लुका छुपी के कारण लोगों की परेशानियां बड़ी हुई है गर्मियों के कारण हालत खराब हो रही है सबसे ज्यादा परेशानी बादलों के कारण हो रही हो उमस से लोगों को बेचौनी हो रही है इसी बीच बिजली की लुका छुपी का दौर भी चलता रहता है तो उसके कारण और भी ज्यादा समस्या बढ़ जाती है। बदलो के कारण गर्मी से बेचौनी हो रही है।दूसरी ओर अभी तो फ्री मानसून की बारिश भी नहीं होने से हालत खराब हो रही है मौसम भी लेट होता दिखाई दे रहा है। जब तक बारिश का दौर प्रारंभ नहीं होगा तब तक उमस और गर्मी से राहत नहीं मिलेगी दूसरी ओर इस गर्मी के कारण कई तरह की बीमारियां भी पड़ रही है पानी की कमी के कारण लोगों को उल्टी दस्त की समस्या भी हो रही है। डॉक्टरों की जरूर बल्ले बल्ले हो रही है सबसे ज्यादा फायदा झोलाछाप डॉक्टरों के द्वारा उठाए जा रहा।

1 साल में महामाई मार्ग का नहीं हो पाया निर्माण, जिम्मेदार नहीं देते ध्यान

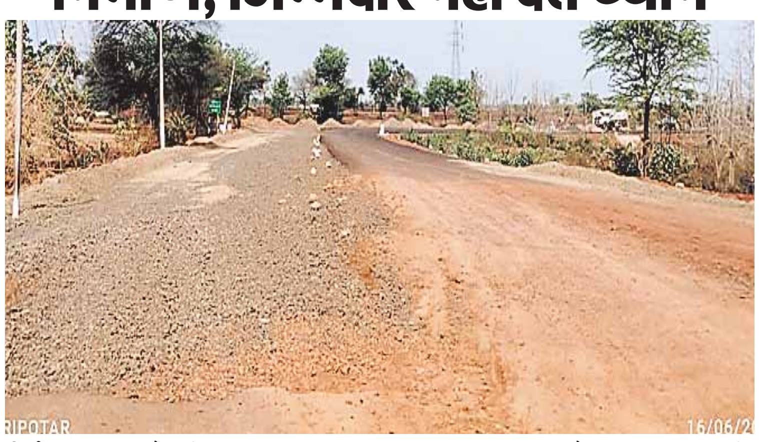

सिरोंज। महामाई मैया के दर्शनों में आने जाने वाली श्रद्धालुओं की परेशानी को दूर करने के लिए क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने फोर लोन सड़क की स्वीकृति दिलवाई थी उसका निर्माण कार्य पिछले 1 साल में अधूरा पड़ा हुआ है। सड़क बनाने वाले ठेकेदार के द्वारा लगातार लापरवाही से सड़क का कार्य किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि 1 साल बीत जाने के बाद भी नहीं हो रहा है। निर्माण एजेंसी के अधिकारी तो देखने के लिए भी नहीं पहुंच रहे हैं।इसकी फायदा उठाकर सड़क ठेकेदार अपने हिसाब से सड़क बनाने का कार्य कर रहा है। जिस रफ्तार से काम हो रहा है उसको देखते हुए ऐसा लग रहा है इसको बनने में काफी समय लगेगा अभी बारिश का दौर प्रारंभ होते ही काम बंद हो जाएगा।

गंगा दशहरा पर जिले में विधायक सहित जनप्रतिनिधियों, नागरिकों व अधिकारी कर्मचारियों ने रौपे पौधे

सिरोंज। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत पांच जून से प्रारंभ हुए जल स्त्रोतों के संरक्षण व पौधरोपण का कार्य किया जा रहा है। आज 16 जून गंगा दशहरा पर उक्त अभियान का समापन हुआ है। विदिशा जिले की सभी जनपद पंचायतों की ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन कर सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया गया है। साथ ही विभिन्न स्थलों पर कलश यात्राएं भी निकाल गई हैं। बासौदा जनपद क्षेत्र अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मुरादपुर में आयोजित वृहद स्तर पर पौधरोपण कार्यक्रम में कलश यात्रा निकाली गई। इस कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ बासौदा एसडीएम श्री विजय राय, अतिरिक्त जिला पंचायत सीईओ, श्री पंकज जैन सहित अधीनस्थ अमला व ग्रामीण जनों ने पौधारोपण में सहभागिता निभाई है।कुरवाई नगरीय निकाय क्षेत्र में भी नहर वाले मंदिर पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कुरवाई विधायक श्री हरि सिंह सप्रे, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री महाराज सिंह डाबरी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने पौधरोपण में सहभागिता निभाई और अधिक से अधिक पौधे लगाने के संदेशों का प्रसारण किया। गंगा दशहरे के उपलक्ष में कुरवाई के ग्राम पंचायत पठारी में भी पौधारोपण किया गया है।सिरोंज नगरीय निकाय क्षेत्र में भी गंगा दशहरा के उपलक्ष में विभिन्न स्थलों पर पौधे रोपे गए हैं पौधारोपण कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं और उन्हें संरक्षित रखने का संकल्प भी लिया गया है।

मेट्रो एंकर

ग्राम पंचायत छापू में मनरेगा में भ्रष्टाचार मजदूरों की जगह चल रही मशीनें

अधिकारियों की मिलीभगत से ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार!

- प्रशासन की नाक के नीचे सरपंच पति चला रहे ग्राम पंचायत छापू
- परिवहन और मिठाई खरीदी की आड़ में हजारों रुपये किये सरपंच पति और सचिव ने खर्च

PURSHOTTAM NEMA | Gram Panchayat, Chhapu
बिल आईडी 12707960 | दिनांक 10/09/2023
भुगतान की स्थिति
भुगतान हो गया है।
₹ 10200.0

विक्रेता का नाम PURSHOTTAM NEMA | द्वारा भुगतान Gram Panchayat, Chhapu
बिल आईडी 11948922 | दिनांक 10/03/2023
भुगतान की स्थिति
भुगतान हो गया है।
₹ 11485.0

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

भ्रष्टाचार करना और भ्रष्टाचार करने के नये नये तरीके निकालना कोई सरपंच सचिव से सीखे की कहां कब और कैसे भ्रष्टाचार करना है,क्योंकि जनता की गाढ़ी कमाई को डकार ने का तो जैसे पूरा ठेका इन्होंने ही ले लिये है। भ्रष्टाचार में लिप्त सरपंच सचिवों को संरक्षण जनपद में बैठे हुऐ जिम्मेदार अधिकारीयों का मिलता है,इसलिये तो भ्रष्टाचार में लिप्त सरपंच सचिवों के खिलाफ कार्यवाही करने की जगह संरक्षण दिया जाता है। और यही वह वजह है जिस की वजह से भ्रष्टाचार में लिप्त भ्रष्ट सरपंच सचिवों के हौसले बुलंद हैं। जनपद पंचायत सिरोंज अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत छापू में महिला सरपंच होने का भरपूर फायदा सरपंच पति और सचिव उठा रहे हैं,क्योंकि पंचायत महिला सरपंच के स्थान पर सरपंच पति और सचिव जो चला रहे हैं। सरपंच पति और सचिव द्वारा ग्रामवासियों को दिनांक 8-4-2024,11000, 7050,4400,2700 एवं दिनांक 10-9-2023 को 10200,10000, 11485,की मिठाई खरीद कर खिलाई गई है,वहीं दूसरी मजेदार बात यह है कि ग्राम पंचायत द्वारा जब किसी भी बिल्डिंग मटेरियल की दुकान से निर्माण कार्य में उपयोग होने वाले मटेरियल को ग्राम पंचायत द्वारा खरीदा जाता है तो कभी किसी भी सामाग्री के रेट कम नहीं होते बल्कि उक्त खरीदी गई सामग्री के परिवहन का हजारों रुपये भाड़ा अलग से सप्लायर को भुगतान किया जाता है।

- जनपद में चर्चा का विषय ग्राम पंचायत छापू।
- मनरेगा योजना में बड़ा घोटाला,मजदूरों का हक छीन रही मशीनें
- मनरेगा में मजदूरों की जगह धड़ल्ले से चल रही मशीनें मजदूरों को नहीं मिल रहा
- काम, शिकायत करते है तो धमकी देते हैं रसूखदार, अधिकारियों की मिलीभगत से चल रही ग्राम पंचायत में मनमानी, जवाब देने से बचते नजर आये जिम्मेदार, राजनैतिक संरक्षण में चल रहें मनरेगा में काम।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना तलैया जिला भोपाल (म.प्र.)

क्र./था.प्रतलै./भो.डी/ दिनांक 8/06/24
मर्ग क्र. 10/24 जिला भोपाल

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 06/03/24 को सूचक फैजान अहमद कुरैशी पिता मुन्ने अहमद कुरैशी उम्र 34 साल निवासी म.न. 14 गली 02 सैन्ट्रल लाईब्रेरी के पास थाना तलैया भोपाल ने थाना उपस्थित आकर सूचना दिया कि मैं उपरोक्त लिखाये पते पर रहता हूं एवं मछली मार्केट में मुर्गे की दुकान का संचालन करता हूं, दुकान खोलने आया तो देखा मेरी दुकान के सामने एक अज्ञात व्यक्ति उम्र करीबन 65 साल जिसने सफेद कुर्ता व पजामा पहने हुये है जिसको हिलाडुला कर देखा जो कोई हलचल नहीं कर रहा था एवं सासें भी नहीं चल रही थी जो मृत अवस्था में है। उक्त मृतक के जान पहचान परिवारजनों की आसपास तलाश की गई कोई नहीं मिला।

अज्ञात मृतक व्यक्तिा का हुलिया:– अज्ञात व्यक्ति पुरूष उम्र करीबन 65 साल जिसने सफेद कुर्ता व पजामा पहने हुये है जिसका कोई अता पता किसी को नहीं मालूम है। थाना प्रभारी तलैया के मो. 9479990560, 0755-2677364-24433230 एवं जाचंकर्ता 9424412933 है।

थाना प्रभारी
थाना तलैया भोपाल

G-11736/24

असलंका-कुसल मेंडिस ने 46-46 रन बनाए

श्रीलंका ने नीदरलैंड को 83 रन से हराया, नुवान थुषारा ने 3 विकेट लिए

नईदिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका ने टी-20 वर्ल्ड कप के 38वें मैच में नीदरलैंड को 83 रन से हरा दिया। नीदरलैंड ने सेंट लूसिया के डैरेन सैमी क्रिकेट ग्राउंड पर टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। श्रीलंका ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 201 रन बनाए और नीदरलैंड को 202 रन का टारगेट दिया। जवाब में नीदरलैंड 16.4 ओवर में 118 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका इस वर्ल्ड कप में 200 स्कोर बनाने वाली दूसरी टीम बनी। इससे पहले, 17वें मैच में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 201 रन का स्कोर बनाया था। इन दोनों टीमों के अलावा इस वर्ल्ड कप में कोई और टीम 200 के स्कोर तक नहीं पहुंच सकी।

पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर रही श्रीलंकाई टीम

इस जीत के साथ श्रीलंका ग्रुप-डी में 1 जीत की बाद 3 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही है। नीरदलैंड टीम 4 मैच में 2 अंकों के साथ चौथे और नेपाल टीम 4 मैच में 1 अंक के साथ 5वें पायदान पर रही है। इनके अलावा साउथ अफ्रीका 4 मैचों में 4 जीत के बाद 8 अंकों के साथ पहले और बांग्लादेश टीम 4 मैच में 3 जीत और 6 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही है।

नीदलैंड की पारी - बल्लेबाजों ने निराश किया

202 रन का टारगेट का पीछा करने उतरी नीदरलैंड टीम के बल्लेबाजों पर बड़े स्कोर का दबाव देखने को मिला। माइकल लेविट और कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। इन दोनों बल्लेबाजों ने 31-31 रन बनाए. साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट (11), मैक्स ओडॉड 11 और आर्यन दत्त 10 रन बनाए। इनके अलावा अन्य कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सका। श्रीलंका के गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। नुवान थुषारा ने 3 विकेट झटके. वनिंदु हसरंगा और मथीश पथिराना ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। महीश तीक्षणा और दासुन शनाका को 1-1 विकेट मिला।

श्रीलंका की पारी, आखिर 5 ओवर में 77 रन बने

श्रीलंका की ओर से कुसल मेंडिस और चरिथ असलंका ने 46-46 रन की पारी खेली। धनंजय डी सिल्वा 34 और एंजेलो मैथ्यूज ने नाबाद 30 रन बनाए। कप्तान वानिंदु हसरंगा ने आखिरी में 6 बॉल पर नाबाद 20 रन की पारी खेली। नीदरलैंड की ओर से लोगन वान बीक ने दो विकेट झटके। टिम प्रिंगल, विवियन किंग्मा, पॉल वान मीकरन और आर्यन दत्त को 1-1 विकेट मिला।

श्रीलंका ने नीदरलैंड को चौथी बार हराया

श्रीलंका की यह नीदरलैंड पर लगातार चौथी जीत है। दोनों टीमों के बीच आज के मैच को लेकर कुल 4 मुकाबले हुए है। सभी मैच श्रीलंका ने ही जीता है। दोनों हमेशा वर्ल्ड कप में ही भिड़ी हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप

आज न्यूजीलैंड और पापुआ न्यू गिनी का मैच

दोनों टीम पहली बार आमने-सामने, पापुआ न्यू गिनी को आईसीसी इवेंट्स में पहली जीत का इंतजार

नईदिल्ली, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप का 39वां मैच न्यूजीलैंड और पापुआ न्यू गिनी के बीच खेला जाएगा। ये मैच त्रिनिदाद एंड टोबैगो के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेला जाएगा। हालांकि दोनों टीम टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। पापुआ न्यू गिनी ने अपना पहला वर्ल्ड कप 2021 में खेला था, तब से उसे आईसीसी इवेंट्स में जीत का इंतजार है। पापुआ न्यू गिनी चाहेगा की वो इस मैच में न्यूजीलैंड को हराकर टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज करे। 2021 के टी-20 वर्ल्ड कप में असद वाला की कप्तानी वाली पापुआ न्यू गिनी ने उस एडिशन के सभी मैच हारे थे साथ ही इस वर्ल्ड कप में हुए अब तक के 3 मैचों में हार मिली है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड का टूर्नामेंट से बाहर जाना कीवी फैंस के लिए शॉक से कम नहीं है। न्यूजीलैंड को इस वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ हार मिली। जिस वजह से वो टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

पहली बार न्यूजीलैंड से भिड़ेंगी पापुआ न्यू गिनी: अब तक न्यूजीलैंड और पापुआ न्यू गिनी ने कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। ये पहला मौका जब दोनों टीम आमने-सामने होंगी। न्यूजीलैंड और पापुआ न्यू गिनी दोनों टीम इस वर्ल्ड कप से बाहर हो चुकी हैं। पापुआ न्यू गिनी ने अब तक खेले दोनों वर्ल्ड कप में कोई भी जीत दर्ज नहीं कर पाया है। ऐसे में पीएनजी चाहेगा की वो आईसीसी इवेंट्स में अपनी पहली जीत दर्ज करें। मैच में टॉस का ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन टॉस जीतने वाला रनचेज करना चाहेगा।

मेट्रो बाजार

अब दो दशक बाद मोबाइल नंबर प्रणाली में बदलाव की तैयारी

एक से अधिक सिम कार्ड रखने पर देने होंगे पैसे

नईदिल्ली, एजेंसी

दूरसंचार नियामक ट्राई ने वर्ष 2003 के 21 साल बाद फिर से नेशनल नंबरिंग प्लान को रिवाइज करने का फैसला किया है। इससे आने वाले समय में आपको मोबाइल नंबर व लैंडलाइन नंबर के लिए भी पैसे देने पड़ सकते हैं। खासकर, उन लोगों को ज्यादा नुकसान हो सकता है जो एक से ज्यादा मोबाइल नंबर रखते हैं। इस संबंध में ट्राई ने एक परामर्श पत्र जारी किया है, जिसमें मोबाइल और लैंडलाइन नंबर के लिए टेलीकॉम कंपनियों पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया गया है। यानी सरकार मोबाइल नंबर देने के बदले कंपनियों से चार्ज वसूल सकती है। यह चार्ज एकमुश्त या फिर सालाना आधार पर लिया जा सकता है। अगर यह नियम लागू हुआ तो इसका भार मोबाइल ऑपरेटर उपभोक्ताओं पर डालेंगे। ट्राई ने कहा, मोबाइल नंबर सरकार की संपत्ति है। इन्हें दूरसंचार कंपनियों को इस्तेमाल के लिए दिया जाता है। ट्राइ ने यह प्रस्ताव नंबरों के दुरुपयोग को कम करने के लिए तैयार किया है। नेशनल नंबरिंग प्लान रिवाइज होने से आने वाले समय में मोबाइल नंबर में 10 से ज्यादा अंक हो सकते हैं। मोबाइल यूजर्स की लगातार बढ़ती संख्या और 5जी जैसी नई टेक्नॉलॉजी से मौजूदा नंबरिंग सिस्टम पर बोझ बढ़ रहा है। मोबाइल नंबर में कितने अंक होंगे, इस पर ट्राई की तरफ से आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

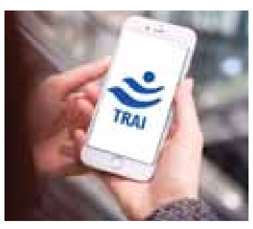

दस साल में 16 करोड़ के करीब पहुंचे डीमैट खाते

मुंबई, एजेंसी। केंद्र में एनडीए सरकार बनने के बाद से शेयर बाजार में सकारात्मक ग्रोथ जारी है। बाजार में घरेलू निवेशक धुआंधार पैसा लगा रहे हैं। डीमैट खातों की रेकॉर्ड बढ़त से इस सेंटीमेंट को आसानी से समझा जा सकता है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 8 महीनो से हर महीने डीमैट अकाउंट्स में 25 लाख से ज्यादा का इजाफा हुआ है। मई 2024 तक देश में कुल 15.8 करोड़ डीमैट खाते हो गए हैं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मोदी सरकार तीसरे टर्म में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ सकते हैं। अगले कुछ सालों में भारत की अर्थव्यवस्था वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थानों की उम्मीद की तुलना में तेज रफ्तार से बढ़ेगी। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी हरे निशान पर बंद हुए। भारत एक बार फिर हॉन्गकॉन्ग को पीछे छोड़कर दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार यानी इक्विटी मार्केट बन गया है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध सभी कंपनियों की कुल मार्केट वैल्यू हांगकांग के स्टॉक मार्केट से अधिक हो गई। बीएसई का कैपिटलाइजेशन फिलहाल 5.18 ट्रिलियन डॉलर है।

जर्मनी ने रचा इतिहास, आगाज मैच में सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली मेजबान टीम बनीं

यूरो फुटबॉल: मेजबान जर्मन टीम ने टूर्नामेंट के मुकाबले में स्कॉटलैंड को 5-1 से करारी शिकस्त दी

म्यूनिख, एजेंसी

मेजबान जर्मनी ने यूरो कप 2024 में धमाकेदार आगाज करते हुए ग्रुप-ए मुकाबले में स्कॉटलैंड को 5-1 से करारी शिकस्त दी। यह यूरो कप इतिहास में मेजबान टीम की उद्घाटन मुकाबले में सबसे बड़ी जीत है। इसके अलावा, यह यूरो कप के पहले ही मुकाबले में किसी टीम की सबसे बड़ी जीत भी है। इस मैच में स्कॉटलैंड ने काफी निराश किया और 1992 यूरो कप के बाद पहली बार है, जब वह पूरे मैच में टारगेट पर एक भी शॉट नहीं लगा सका।

फ्लोरियन सबसे कम उम्र में गोल करने वाले जर्मन खिलाड़ी बने- फ्लोरियन वर्ट्ज यूरो कप में गोल करने वाले जर्मनी के सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्होंने 21 साल 42 दिन की उम्र में गोल दागा और केई हावर्ट्ज का रेकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2020 में पुर्तगाल के खिलाफ 22 साल व 8 दिन की उम्र में गोल किया था। स्टटगार्ट में बड़ी स्क्रीन पर जर्मन टीम का मैच देखने के लिए हजारों लोग एकत्र हुए और मैच का लुत्फ उठाया। जर्मनी के लिए मैच के 10वें मिनट में फ्लोरियन वर्ट्ज ने गोल दागा। इसके बाद, 19वें मिनट में जमाल मुसेला ने बढ़त दोगुनी कर दी। पहले हाफ के इंजुरी टाइम में केई हावर्ट्ज ने बढ़त 3-0 कर दी। दूसरे हाफ में निकल्स फुलक्रुज ने 68वें और इमरे केन ने 90वें मिनट में एक-एक गोल किया। स्कॉटलैंड ने एक गोल किया लेकिन दिलचस्प यह है कि उसका खाता भी जर्मनी की गलती से खुला। मैच के 87वें मिनट में जर्मन खिलाड़ी एंटोनियो रुडिगर ने आत्मघाती गोल कर दिया।

फिडे अंडर-20 वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप

लगातार दूसरा टूर्नामेंट जीता

गांधीनगर (गुजरात). भारत की उभरती हुई युवा खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फिडे अंडर-20 वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में महिला वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। इस चैंपियनशिप का आयोजन इंटरनेशनल चेस फेडरेशन (फिडे) ने किया था। 18 वर्षीय यह चैंपियनशिप जीतने वाली कुल चौथी भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। उनसे पहले, कोनेरू हंपी, हरिका द्रोणावल्ली और सौम्या स्वामीनाथन यह खिताब जीत चुकी है। दिव्या ने साल 2024 में अपना लगातार दूसरा खिताब जीता। इससे पहले, उन्होंने मई में शारजाह चैलेंजर टूर्नामेंट अपने नाम किया था। काजीबेक लडकों के वर्ग में चैंपियन- पुरुष वर्ग में, कजाकिस्तान के 20 वर्षीय काजीबेक नोगेर्बेक ने खिताब जीता। टूर्नामेंट में 44 देशों के 230 खिलाड़ी उतरे थे।

टेनिस: स्पेन के बर्नबे जपाटा मिरालेस को हराया

पेरूगिया, इटली। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने शनिवार रात खेले गए सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां खेले जा रहे पेरूगिया चलैंजर टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया। छठीं वरीय भारतीय खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में स्पेन के बर्नबे जपाटा मिरालेस को तीन सेटो तक चले कड़े मुकाबले में 7-6, 1-6, 6-2 से हरा दिया। इस मैच में नागल का प्रदर्शन शुरुआत से ही दमदार रहा। फाइनल में पहुंचने वाले सुमित नागल के लिए हालांकि खिताब जीतना आसान नहीं होगा। अब फाइनल में उनका सामना टॉप सीड इटालियन खिलाड़ी लुसियानो द्रादरी और चौथी वरीय खिलाड़ी स्पेन के डेनिएल आल्टमेयर के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

सारा ने फोटो खिंचवाने से किया मना, पैपराजी ने कहा- हीरोइन क्यों बनी?

सारा अली खान का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह पैपराजी को तस्वीर खींचने से मना कर रही हैं। उनके मना करने पर पैपराजी ने जो टिप्पणी की वह नेटिजन्स को बिल्कुन भी पसंद नहीं आई, जिसके बाद उन्होंने पैपराजी की जमकर आलोचना की है। सितारों और पैपराजी के बीच इन दिनों सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हाल ही में बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने पैपराजी को उनके शरीर पर बेवजह कैमरा फोकस करने को लेकर नाराजगी जताई है। इस बीच अभिनेत्री सारा अली खान का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में फोटोग्राफर ने कुछ ऐसी टिप्पणी की है, जो नेटिजन्स को बिल्कुल भी पसंद नहीं आया। वीडियो सामने आने के बाद नेटिजन्स ने पैपराजी के प्रति अपनी नाराजगी जताई है। सामने आए वीडियो में सारा अली खान जिम के लिए अपनी कार से बाहर निकलती हुई दिख रही हैं। अभिनेत्री ने जैसे ही पैपराजी को देखा तो उन्होंने तस्वीर निकालने के लिए मना किया। वह कार से बाहर निकलने में असहज महसूस कर रही थीं। सारा ने जैसे ही पैपराजी से कैमरा बंद करने के लिए कहा तो एक फोटोग्राफर को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि 'नहीं करें? तो क्यों बनी फिर हिरोइन' यह टिप्पणी नेटिजन्स को बिल्कुल पसंद नहीं आई। नेटिजन्स ने कहा कि अभिनेत्री को हर समय तस्वीर खिंचवाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। इस वीडियो के सामने आते ही नेटिजन्स ने अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। उन्होने पैपराजी की इस टिप्पणी पर अपनी नाराजगी जताई। एक यूजर ने लिखा, 'सिर्फ इसलिए कि कोई सेलिब्रिटी है, इसका मतलब यह नहीं कि वह सभी की मांगे पूरी करें।'

'बार्डर' को लेकर सनी देओल बोले- स्क्रिप्ट पढ़ते समय आ जाते थे आंसू

बॉर्डर में सनी देओल ने मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी की भूमिका निभाई थी। उन्होंने हाल ही में फिल्म में अपने पंसदीदा सीन के बारे में खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि दुर्भाग्य से वह सीन कट कर दिया गया था। अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बार्डर 2 को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। अभिनेता ने अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म बॉर्डर के सीक्वल का हाल ही में आधिकारिक एलान किया, जिसके बाद से दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई। 27 साल पहले आई फिल्म च्बॉर्डरज के सीक्वल का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ये फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस के मौके पर 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। सनी देओल ने बॉर्डर में मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी की भूमिका निभाई थी। फिल्म के सीक्वल का निर्माण जेपी दत्ता, भूषण कुमार और किशन कुमार कर रहे हैं। अपनी घोषणा के बाद से ही ये फिल्म लगातार चर्चा में बनी हुई है। इसी बीच सनी देओल का एक क्लिप वायरल हो रहा है। एक बातचीत में अभिनेता से च्बॉर्डरज के उनके पसंदीदा सीन के बारे में पूछा गया। उन्होंने बताया कि एक सीन काफी अच्छा था, दुर्भाग्य से यह फिल्म में नहीं आया। ये सीन युद्ध समाप्त होने के बाद का था।

काट दिया गया था सनी का ये पसंदीदा सीन

अभिनेता ने कहा, युद्ध समाप्त होने के बाद उस सीन में मैं युद्ध के मैदान में स्थित मंदिर में जाता हूं और वहां मैं अपने सभी सैनिकों को बैठे हुए देखता हूं। मैं उनसे कहता हूं कि मैं जाकर उनके सभी लंबित कार्य पूरे करूंगा, जैसे आपकी छत की मरम्मत करवाना या मैं आपकी मां से मिलने जाऊंगा। क्योंकि मेरे लिए वे सभी वहीं हैं। मैं उन्हें यह भी बताता हूं कि वे अभी जहां हैं, वह स्वर्ग है और वहां कोई युद्ध नहीं है। मैं जब वह सीन पढ़ता था, तो रोता था। मगर दुर्भाग्य से इसे काट दिया गया था।

शादी को लेकर सोनाक्षी ने बताया सच, बोलीं- वो नहीं चाहेंगे मैं शादी करूं...

मनोरंजन जगत में इन दिनों अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की शादी को लेकर हलचल मची हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सोनाक्षी जल्द ही अपने कथित बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल की दुल्हनिया बनने वाली हैं। दोनों 23 जून को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। यहां तक कि सोशल मीडिया पर सोनाक्षी की शादी का कार्ड भी वायरल हो रहा है। लेकिन एक समय ऐसा भी था, जब सोनाक्षी की शादी को लेकर उनके पिता शत्रुघ्न सिन्हा क्या सोचते थे। हीरामंडी में फरदीन और रेहाना आपा के किरदार से सभी का दिल जीत चुकीं सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी शादी की खबरों को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सोनाक्षी सिन्हा 23 जून को अपने कथित लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल से शादी करने जा रही हैं। सोनाक्षी और जहीर ने शादी के बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन उनके परिवार और दोस्तों पूनम ढिल्लों, यो यो हनी सिंह और डेजी शाह ने इस खबर की पुष्टि की है। जहां प्रशंसक सोनाक्षी को दुल्हन के अवतार में देखने के लिए उत्साहित हैं, वहीं सोनाक्षी ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि उनके पिता शत्रुघ्न सिन्हा कभी नहीं चाहेंगे कि वह शादी करें। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 2021 में एक इंटरव्यू के दौरान सोनाक्षी ने अपनी शादी के बारे में अपने परिवार के विचारों के बारे में खुलकर बात की थी। सोनाक्षी ने कहा था, च्अगर यह बात उनके पिता (शत्रुघ्न सिन्हा) पर निर्भर करती है तो वह कभी नहीं चाहते कि मैं शादी करूं। मां कभी-कभी यह छोटा सा बम गिराती हैं कि अभी तो टाइम हो गया, (शादी) कर लेना चाहिए, और मैं उन्हें बस एक नजर देखती हूं और फिर वह कहती हैं कि अच्छा ठीक है ठीक है। आगे सोनाक्षी ने कहा, नहीं, ऐसा नहीं है कि मैं खुश हूं कि उन्होंने मुझे उस तरह की आजादी मिली है, जहां जब तक मैं शादी के लिए तैयार नहीं हो जाती, वे मेरे सिर पर बैठकर यह नहीं कहेंगे कि शादी कर लो बेटा, क्योंकि उन्हें पता है कि मैं अपने काम से खुश हूं और अच्छा कर रही हूं। सोनाक्षी की शादी की खबरें अब सुर्खियों में हैं, ऐसे में शत्रुघ्न सिन्हा ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं उनकी शादी की खबरों की न तो पुष्टि कर रहा हूं और न ही खंडन।

सोता रहा परिवार घर से जेवरात मोबाइल समेत एक लाख का माल चोरी

स्टेशन बजरिया स्थित करारिया फार्म की घटना, कूलर में नशीला पदार्थ मिलाकर नकबजनी की भी आशंका

भोपाल, दोपहर मेट्रो। स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित करारिया फार्म में नकबजनों ने मकान से जेवरात, मोबाइल समेत एक लाख रुपए का माल चुरा लिया। हैरानी की बात तो यह है कि घटना के समय फरियादी परिवार के साथ सो रहा था और नबजनों ने वारदात को अंजाम दे दिया। अनुमान है कि घर के कूलरों में नकबजनों ने कोई नशीला पदार्थ मिलाया था। इससे परिजन गहरी नींद में सो गए और वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने फिंगर प्रिंट शाखा से कुछ फिंगर प्रिंट कलेक्ट किए है। पुलिस नकबजनों की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार 28 साल के नीरज लोधी, करारिया फार्म स्टेशन बजरिया इलाके में रहते हैं और सेंट्रिंग का काम करते हैं। उनके परिवार में पत्नी के अलावा माता-पिता रहते हैं। नीरज ने करारिया फार्म में नया मकान बनाया है। मकान के खिड़कियों पर ग्रिल और दरवाजे लगे हुए हैं। शुक्रवार रात नीरज ने परिवार के साथ खाना खाया और सभी लोग रात 11 से 12 बजे के बीच सो गए थे। सुबह करीब पांच बजे नीरज की नींद खुली तो घर के सभी दरवाजा खुले हुए थे और पत्नी समेत माता पिता गहरी नींद में थे। नीरज ने सभी को उठाया और घटना की जानकारी दी।

लोहे की अलमारी से जेवरात ले गए बदमाश

परिवार ने उठकर देखा तो दूसरे कमरे में रखी लोहे की अलमारी खुली पड़ी थी। आलमारी का लाकर भी खुला था। अलमारी व लाकर की चाबियां अलमारी के पास ही नीचे पड़ी थी। लॉकर चेक करने पर उसमें रखे पुराने इस्तेमाली जेवर नहीं थे। नकबजन लॉकर में रखे दो मंगल सूत्र, एक हार, एक चांदी की करदोनी, 3 जोड़ चांदी की पायल, चांदी की बिछिया और ड्रेसिंग टेबल पर रखा नीरज की पत्नी का मोबाइल लेकर गए हैं।

नहीं टूटा कोई दरवाजा और कुंदा

नीरज ने बताया कि बदमाशों ने दरवाजा अथवा दरवाजे का कुंदा तोड़ा नहीं है। इसके अलावा किसी भी ग्रिल को काटा नहीं गया। बदमाश अंदर कैसे घुसे उन्हें खुद समझ नहीं आ रहा है। बदमाश घर में घुसे और उन्होंने ड्रेसिंग टेबल से चाबी निकालकर वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तो पता चला कि मकान की खिड़कियों पर दो बड़े कूलर लगे हुए हैं। अनुमान है कि इन्हीं कूलरों के टब में कोई नशीला पदार्थ मिलाया गया है। जिससे परिजन गहरी नींद में सो गए और नकबजनों ने इतमिनान से पूरे घर की तलाशी लेते हुए कीमती सामान चुरा लिया। घटनास्थल और आसपास पुलिस को सीसीटीवी कैमरे नहीं मिले हैं।

रिजर्व बैंक कर्मचारी के घर से चार लाख की नगदी और जेवरात चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित प्रभातम हाइट कॉलोनी में रिजर्व बैंक के कर्मचारी के मकान से अज्ञात बदमाशों ने चार लाख रुपए की नगदी समेत जेवरात चुरा लिए। घटना शनिवार-रविवार की दरमियानी रात की बताई जा रही है। पुलिस ने उनकी शिकायत पर नकबजनी का प्रकरण दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 44 साल के सरोज कुमार डी-10, प्रभातम हाइट कॉलोनी बिलखिरिया में रहते हैं और रिजर्व बैंक ऑफ इडिया में नौकरी करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उनका तीन मंजिला मकान हैं। तीसरी मंजिल पर किराए से इंजीनियरिंग के छात्र रहते हैं। दूसरी मंजिल पर वह परिवार के साथ रहते हैं, जबकि ग्राउंड फ्लोर खाली पड़ा हैं। सरोज कुमार ने बताया कि शनिवार रात वह परिवार के साथ राक करीब साढ़े दस बजे के आसपास दूसरी मंजिल पर स्थित बेडरूम में सो गए थे। सुबह नींद खुली तो ऊपर रहने वाले छात्रों ने बताया कि मकान का गेट बाहर से बंद है। सरोज कुमार नीचे पहुंचे तो ग्राउंड फ्लोर पर उन्हें सामान बिखरा पड़ा दिखा। सरोज कुमार ने बताया कि नीचे एक लकड़ी की कवर्ड रखी है उसकी कवर्ड में वह पैसे सेविंग कर रखते थे। बदमाशों ने उक्त पैसे चुरा लिए और एक सोने की चेन एक अंगूठी समेत कान के टॉप्स भी लॉकर से चुराकर ले गए हैं।

अरेरा कॉलोनी में बारहवीं की छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित अरेरा कॉलोनी में कल रविवार शाम बारहवीं की छात्रा ने फांसी लगा ली। भाई बहन उसे फांसी के फंदे से उतारकर निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने छात्रा का शव पीएम के लिए मर्चूरीड़भेज दिया था। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा जाएगा। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है। पुलिस के अनुसार आरती पटेल पिता छोटेलाल पटेल (17) मूलतः नर्मदापुरम की थी। वह अपने माता पिता और बहन भाई के साथ बंगला नंबर ई-720, की सर्वेंट क्वार्टर में रहतीड़थी। आरती मझलीड़थी, जबकि उससे बड़ी बहन और छोटा भाई है। परिवार बंगले में रहने वाले अजय मेहरा के घर काम करता है। आरती के माता पिता कल रविवार सुबह बंगले से काम काज करने के बाद सलकनपुर मंदिर गएड़थे। घर पर तीनों बहन भाईड़थी। शाम करीब साढ़े चार बजे आरती ने बहन भाई से कहा कि उसे नींद आ रही है और वह अंदर वाले कमरे में सोने जा रही है। कुछ देर बाद बहन भाई अंदर के कमरे में पहुंचे तो उन्होंने आरती को फांसी के फंदे पर लटका देखा था। बहन भाई को शोर मचाने में कुछ लोग मदद के लिए आगे आए और आरती को फंदे से उतारकर हबीबगंज स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने बताया कि आरती की मौत हो चुकी है।

अब बयान लेने वीडियो कैमरा और टेबलेट लेकर जाएगी भोपाल पुलिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एक जुलाई से भोपाल पुलिस का हर जवान डिजिटली और स्ट्रांग हो जाएगा। किसी भी घटनास्थल पर पहुंचने वाली पुलिस के हाथ में डंडा और बंदूक तो होगी ही उसे टैबलेट और वीडियो कैमरा भी लेकर जाना होगा, क्योंकि इस एक जुलाई से देशभर में तीन नए कानून लागू हो रहे हैं। इससे पुलिस को सबूत कलेक्ट करने के लिए हर घटना की वीडियो रिकार्डिंग करनी अनिवार्य होगी। आरोपी या शिकायतकर्ता के बयान लेने के लिए जाने पर भी वीडियो रिकॉर्डिंग करनी अनिवार्य होगी। इसके लिए भोपाल पुलिस को प्रशिक्षण देने का काम चल रहा है। प्रश्नों की पुस्तिका तैयार कर जांच अधिकारियों को दी गई है। इसका ऑनलाइन प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। मप्र पुलिस ने इसके लिए पहले चरण में 24 हजार टैबलेट खरीदने का ऑर्डर दे दिया है। सूत्रों के अनुसार पुलिस एक एप पर भी काम कर रही है जो जांच अधिकारियों को भारतीय न्याय संहिता यानी बीएनएस की जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा। ऐप पुलिस को अपराध स्थल (क्राइम सीन) को फिल्माने और रिकॉर्डिंग को संरक्षित करने के अलावा यह सब अदालतों को सौंपने में मदद करेगा। एप अपराध स्थल से वीडियो, ऑडियो रिकॉर्डिंग और तस्वीरों को संभालेगा। जांच अधिकारी इन्हें ऐप से सीधा अपलोड कर सकेंगे।

एक ही प्लॉट दो लोगों को बेचकर ठगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार पुलिस ने कोलार बिल्डकॉन कंस्ट्रक्शन कंपनी के संचालक के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी ने एक ही प्लाट दो लोगों को बेचकर फरियादी के साथ ठगी की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर साउथ टीटी नगर निवासी शोभाराज सिंगरन (57) प्राइवेट काम करते हैं। साल 2018 में उन्होंने कोलार इलाके में एक प्लाट कोलार बिल्डकॉन कंस्ट्रक्शन के संचालक प्रदीप नरवरिया से खरीदा था। अप्रैल 2018 में अनुबंध तैयार किया गया था। प्लाट का सौदा तीन लाख रुपए में हुआ था। फरियादी अब तक डेड़ लाख रुपए फरियादी दे चुके हैं। पिछले दिनों फरियादी को पता चला कि आरोपी प्रदीप नरवरिया ने उक्त 12 सौ वर्गफिट का प्लाट किसी और को बेच दिया है। पुलिस ने नयापुरा निवासी आरोपी प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया है।

ट्रॉली से खंभा उतारते समय हुई थी युवक की मौत, पांच पर मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र स्थित ग्रीन सिटी कॉलोनी ओमकारा सेवनियां में गत 30 मई की शाम ट्रैक्टर टॉली से बिजली का खंभा उतारते समय दबने से एक युवक की मौत हो गईड़थी। उक्त मामले में पुलिस ने मोहल्ले में रहने वाले पांच लोगों पर लापरवाही बरतने का मामला दर्ज किया है। पुलिस की मर्गड़जांच में यह बात सामने आई कि इन्ही लोगों की लापरवाही के कारण खंभे के नीचे युवक दबाड़था और उसकी मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार विजय कनोजिया पिता रामप्रकाश कनोजिया (42) ओमकारा सेवनियां में रहते थे। वे लांडरी का काम करते थे। उनकी कॉलोनी में लंबे समय से बिजली के पोल नहीं थे और काफी दूर दूर से कॉलोनी के लोगों को केबल के माध्यम से बिजली लेनी पड़ रही थी। कॉलोनी के लोगों ने पैसा इकट्ठा कर बिजली के खंभे खरीदे थे। गुरुवार 30 मई की शाम ट्रैक्टर ट्रॉली से कॉलोनी में खंभे पहुंचे और कॉलोनी के लोग बिजली के खंभे ट्रॉली से उतरवाने लगे। इसी दौरान विजय भी वहां खड़ा था और कॉलोनी के लोगों की मदद कर रहा था। तभी भारी भरकम खंभा उतारते समय विजय खंभे के नीचे दबा गया। इस हादसे में उसे गंभीर चोट आई थी। वहां मौजूद कुछ लोग विजय को लेकर अस्पताल पहुंचे, वहां डॉक्टर ने विजय को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग जांच के बाद बनवारी लाल, राजकुमार, ओमप्रकाश और कृष्ण पर लापरवाही बरतने का मामला दर्ज किया है।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

24 मई को लगाई थी फांसी, तबीयत में सुधार होने से घर ले आए थे परिजन

हनुमानगंज थाना क्षेत्र स्थित इब्राहिमगंज में रहने वाले एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दरअसल, उन्होंने गत 24 मई को घर में फांसी लगा ली थी। समय पर परिजन की नजर पड़ी फंदे से उताकर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके स्वास्थ्य में सुधार होने के कारण परिजन उन्हें घर ले आए थे। रविवार सुबह उनकी अचानक तबीयत बिगड़ी और उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। पुलिस के अनुसार नीरज पंथी पिता गंगाराम पंथी। इब्राहिमपुरा, हनुमानगंज में रहते थे। गत 24 मई को उन्होंने अपने घर में फांसी लगा ली। फांसी के फंदे पर लटकता देख परिजन उन्हें अस्पताल ले गए। वहां उनका इलाज चला और उनकी तबीयत में सुधार भी हो चुका था। डॉक्टर ने उन्हें छुट्टी दे दी और परिजन उन्हें घर ले आए। रविवार सुबह उनकी तबीयत बिगड़ी और परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने बताया कि उनकी मौत हो चुकी है।

अस्पताल की पार्किंग में पड़ा रहा महिला का लावारिस शव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

डीआईजी बंगला स्थित जवाहरलाल नेहरू गैस रात अस्पताल एक बार फिर चर्चा में है। पहले इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर के नशे की हालत में मिलने का मामला सामने आया था। वहीं अब एक हते के अंदर ही रविवार को पार्किंग में लावारिस लाश पड़े होने का वीडियो वायरल हो गया। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अनिल जैन ने बताया कि आशा नाम की 40 वर्षीय महिला अक्सर अस्पताल आती थी। महिला का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था और साथ में वह नशे की आदि भी थी। रविवार को भी अस्पताल आई और पार्किंग में बैठ गई। जहां उसकी मौत हो गई।

मेट्रो एंकर | पिस्टल अड़ाकर अड़ीबाजी, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल, आरोपी गिरफ्तार

अड़ीबाजों का निकाला जुलूस, आरोपी बोले- पुलिस हमारी बाप है, अपराध करना पाप है

भोपाल, दोपहर मेट्रो। गौतम नगर पुलिस ने पिस्टल अड़ाकर अड़ीबाजी करने और फिर उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। उसके एक साथी को भी पुलिस ने पकड़ा है। दोनों बदमाशों का पुलिस ने इलाके में जुलूस भी निकाला। ताकि आरोपियों का भय आमजन से कम हो सके।

पुलिस के अनुसार बदमाश शाहरुख मेवाती उर्फ अनस (28) रिसालदार कालोनी गौतम नगर में रहता है। उसके खिलाफ पूर्व से करीब बीस अपराध दर्ज हैं। एक महीने पहले शाहरुख ने मोहल्ले में रहने वाले एक व्यवसायी से अड़ीबाजी की थी। व्यवसायी ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई तो बदमाश ने अगले दिन उस पर पिस्टल तान दी और दोबारा से अड़ीबाजी की। बाद में उसने पिस्टल के साथ धमकी देने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया था। पुलिस ने जब तलाश शुरू की तो बदमाश फरार हो गया था। शनिवार रात कांबिंग गश्त के दौरान उसे पुलिस ने पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान उसके एक साथी सिराज अहमद (22) को भी छुरी के साथ गिरफ्तार किया गया है। दोनों बदमाशों के लोग डरे हुए थे। लिहाजा आरोपियों का जुलूस निकालकर उन्हें कोर्ट में पेश कया गया। अर्धनग्न कपड़ों में जुलूस निकालने के बाद आरोपी कहते नजर आए कि पुलिस हमारी बाप है और अपराध करना पाप है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022